डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः सिद्धांत कपूर को 24 घंटों के अंदर मिली जमानत

वर्ष -08 अंक -92 | प्रयागराज, बुधवार 15 जून, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगारों के लिए खुशखबरी मोदी सरकार अगले डेढ़ साल में देगी 10 लाख लोगों को नौकरी

नई दिल्ली। रोजगार के मुद्दे पर पीएम मोदी सरकार ने कमर कस ली है। अगले डेढ़ साल में केंद्र सरकार 10 लाख लोगों को नौकरी देने जा रही है। पीएमओ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, डेढ़ सालों में ही केंद्र सरकार के कई विभागों में 1.5 लाख पदों पर भर्ती की जा सकती है। ट्वीट कहा गया- पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों एवं विभागों में मानव संसाधन की बेहद बारीकी के साथ समीक्षा की है। समीक्षा के बाद उन्?होंने निणन्य लिया कि अगले डेढ़ सालों में इस पर मिशन मोड में काम किया जाए और 10 लाख लोगों को भर्ती किया जाए। कांग्रेस ने मोदी सरकार के इस ऐलान पर तंज कसते हुए कहा है कि वादा हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का हुआ था। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल, मोदी सरकार पर रोजगार के मुद्दे पर ही सबसे ज?यादा हमले करते रहे हैं। विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि पिछले कुछ सालों में लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। पिछले कई सालों में विपक्ष बेरोजगारी को चुनावी मुद्दा भी बना चुकी है। ऐसे में मोदी सरकार ने ये बड़ा उठाकर, विपक्ष को माकूल जवाब दिया है।

देश में 'ब्लड स्टोरेज' के हों पुख्ता इंतजाम

हैदराबाद। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत समेत दुनिया भर में होने वाली मुश्किलें सामने आईं। इन मुश्किलों में से एक रक्त की किल्लत थी जिसका लोगों को सामना करना पड़ा। हालांकि लोगों की ओर से रक्त दान किया जा रहा था। तभी यह बात सबके सामने आई कि अनमोल जिंदगी को बचाने के लिए जिस रक्त की दरकार होती है उसके स्टोरेज के लिए देश में पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कोरोना महामारी के दौरान मौतों का आंकड़ा इसलिए भी बढ़ा क्योंकि समय पर खून नहीं मिल सका। इस क्रम में स्वास्थ्य पेशेवरों ने इस बात पर जोर दिया कि देश में ब्लड स्टोरेज के लिए पुख्ता इंतजाम किया जाए। 14 जून को दुनिया भर में 'विश्व रक्त दान दिवस ' के तौर पर मनाया जाता है। विश्व रक्त दान दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य पेशेवरों की ओर से जरूरतों का जिक्र किया गया साथ ही उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर में संशोधन की मांग की। इनका कहना था कि देश भर में ब्लड बैंक के नेटवर्क को मजबूत होना चाहिए।

तमिलनाडु में ऑनर किलिंग: पार्टी के बहाने घर बुलाकर भाई ने बहन और बहनोई की कर दी हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेनन्ई में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक भाई ने अपनी ही बहन और उसके पति को मौत के घाट उतार दिया। दिल दहला देने

वाला ये मामला तंजावुर जिले के कुंभकोणम इलाके का है। ऑनर किलिंग की इस वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक का नाम सरन्या (24) जबकि उसके पति का नाम मोहन (31) था। सरन्या ने पांच दिन पहले ही अपने प्रेमी के साथ शादी की थी। सरन्या और मोहन दूसरी जाति के थे। दरअसल, पेशे से नर्स सरन्या अपनी मां को इलाज के लिए चेनन्ई के उसी अस्पताल में लेकर आई, जहां वो काम कर रही थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात मोहन से हुई। मोहन के रिश्तेदार इस अस्पताल में भर्ती थे। कुछ ही दिनों में दोनों के बीच दोस्ती हो गई। दोनों की दोस्ती प्रेम में बदल गई और उन्होंने शादी करने का फैसला किया। हालांकि, इस शादी से दोनों के घरवाले राजी नहीं थे।पुलिस ने बताया कि शक्तिवेल ने अपनी बहन और बहनोई को खाने के लिए घर पर बुलाया। मौका देखकर शक्तिवेल ने दोनों की हत्या कर दी। शक्तिवेल के दोस्त रंजीत ने भी इसमें उसका साथ दिया। तंजावुर के पुलिस अधीक्षक जी. रावली प्रिया ने बताया कि दोनों आरोपी शक्तिवेल और रंजीत पुलिस हिरासत में हैं और आगे की जांच जारी है।

कांग्रेस पर भाजपा का पलटवार 'इस देश में ना कोई राजा है और ना कोई राजकुमार.....

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को फिर ईडी अधिकारियों के सामने

पेश हुए। राहुल की पेशी को लेकर कांग्रेस लगातार भाजपा पर हमला कर रही है। वहीं, अब भाजपा ने भी कांग्रेस पर पलटवार किया है। कांग्रेस नेताओं के हमले के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर जुबानी हमला बोला। पात्रा ने कहा कि ट्रायल कोर्ट में गांधी परिवार को उनके पक्ष में फैसला नहीं मिला। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टयता कहा था कि ये चिंताजनक केस है और कहीं हा ना कहीं ये दर्शाता है कि गांधी परिवार के सोनिया और राहुल दोनों आरोपी हैं। इन दोनों की विश्वसनीयता पर हाईकोर्ट भी सवाल उठा चुका है। पात्रा ने कहा कि केस को खारिज करने के लिए कांग्रेस के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट गए था। सोनिया गांधी इस मामले में पहली और राहुल गांधी दूसरे नंबर के आरोपी हैं।संबित पात्रा ने आगे कहा कि ये केस भाजपा और कांग्रेस के बीच नही है। गांधी परिवार को लगता है कि हम जिस देश के पहले परिवार है, हमारे ऊपर केस कैसे हो सकता है। इस देश में ना कोई राजा है और ना कोई राजकुमार, हर व्यक्ति नागरिक है। पीएम मोदी ने कभी खुद को पीएम नहीं सेवक कहा है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मध्य प्रदेश में लगा झटका, एकमात्र विधायक ने थामा भाजपा का दामन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में सपा विधायक राजेश शुक्ला भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ बसपा विधायक संजीव कुशवाहा और निर्दलीय विधायक राणा विक्रम सिंह ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मैं इन तीनों साथियों का हृदय से स्वागत करता हूं, ये अपने क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए हमेशा चिंतित रहते हैं तो हम सब मिलकर अधिकतम विकास और जनता की भलाई करने का प्रयास करेंगेः मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता शिवराज सिंह चौहान इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं इन तीनों साथियों का हृदय से स्वागत करता हूं। ये अपने क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए हमेशा चिंतित रहते हैं। अब हम सब मिलकर अधिकतम विकास और जनता की भलाई करने का प्रयास करेंगे।बता दें, विधायकों के भाजपा में शामिल होने से सपा प्रमुख

अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती को झटका लगा है। मध्य प्रदेश में 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा के एक, जबकि बसपा के दो उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी।'बिजावर, भिंड और सुसनेर विधानसभा में विकास कार्य होंगे तेज'मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा ने ट्वीट कर कहा, 'पूर्ण विश्वास है कि तीनों विधायकगणों के भाजपा परिवार में सम्मिलित होने से बिजावर, भिंड व सुसनेर विधानसभा विकास पथ पर और तेज गति से आगे बढ़ेगी।आप तीनों विधायकों का भाजपा परिवार में हार्दिक अभिनंदन है।सपा के एकमात्र विधायक राजेश शुक्ला बिजावर विधानसभा से निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र पाठक को हराया था। राजेश को जहां 67,623 मत मिले, वहीं पुष्पेंद्र पाठक को 30,099 मत मिले और उन्हें 36,714 मतों से हार का सामना करना पड़ा।भिंड से विधायक हैं संजीव कुशवाहा बसपा विधायक संजीव कुशवाहा भिंड विधानसभा से निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने भाजपा के राकेश चौधरी को 35,896 मतों से शिकस्त दी थी। उन्हें 69,107 मत मिले, जबकि राकेश चौधरी को 33,211 मतों से ही संतोष करना पड़ा।

रणदीप सुरजेवाला का आरोप पुलिस ने चिदंबरम की पसलियां तोड़ी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज फिर ईडी दफ्तर में पेश होंगे। धनशोधन मामले में ईडी अधिकारी लगातार दूसरे दिन राहुल गांधी से

पूछताछ करेंगे। इससे पहले, सोमवार को भी राहुल गांधी से दो चरणों में पूछताछ की गई। करीब 10 घंटे तक चली पूछताछ के दौरान ईडी अधिकारियों ने राहुल गांधी से कई सवाल पूछे। उधर, राहुल गांधी से पूछताछ के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन किया। राहुल गांधी की ईडी के सामने पेशी से पहले कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने मंगवार को प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की जांच उनकी आवाज दबाने की कोशिश है क्योंकि उन्होंने हमेशा मोदी सरकार से चीन द्वारा हमारे क्षेत्र पर कब्जा करने, महंगाई, ईंधन की कीमतों में वृद्धि, बेरोजगारी, धार्मिक प्रतिशोध जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी पर लगातार हमला किया जा रहा है। सुरजेवाला ने पूछा कि आखिर मोदी सरकार या बीजेपी के निशाने पर राहुल गांधी जी और कांग्रेस क्यों है? ईडी की कार्रवाई क्या जनता के मुद्दे उठाने वाली मुखर आवाज को दबाने का षड्यंत्र है? केवल राहुल गांधी जी पर इतने हमलावर क्यों है? इन सवालों का जवाब देश को जानना जरूरी है। आज फिर होगा कांग्रेस का सत्याग्रह सुरजेवाला ने आज फिर सत्याग्रह का एलान किया। उन्होंने कहा कि हम गांधीजी के उत्तराधिकारी हैं हम फिर पैदल चलकर जाएंगे। हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा। हमारा आंदोलन रुकेगा नहीं। ये कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक है। ये कार्रवाई राजनीति प्रतिशोध की आग में की गई है। दिल्ली को छावनी में तब्दील कर भाजपा ने साबित कर दिया कि वो डरपोक सरकार है।सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि सोमवार को सत्याग्रह के दौरान दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के कई नेताओं के साथ मारपीट की। सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल, शक्ति सिंह गोहिल पर जानलेवा हमला बोला गया। देश के पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम की पसली तोड़ दी गई, उन्हें धक्के मारे गए। सांसद प्रमोद तिवारी को धक्के मारकर गिराया गया। जिस प्रकार से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बेरहमी से पीटा गया। जिस तरह से दिल्ली के थानों में कांग्रेस के 20 हजार कार्यकर्ताओं को बंद किया गया।

असम के गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण जलजमाव

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण जलजमाव के हालात हैं। इससे लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही ट्रैफिक मूवमेंट भी धीमी हो गई है। इस बीच मंगलवार को गुवाहाटी के बोरागांव के निकट निजरपार इलाके में भूस्खलन से एक मकान ढह गया। इसके मलबे में दबने से चार श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई। पश्चिमी गुवाहाटी के डीसीपी नबनीत महंत ने बताया कि घटना स्थल पर चार मजदूर थे जो मलबे में फंस गए। इनका शव राहत व बचावकमिन्यों की टीम ने निकाल लिया। गुवाहाटी में भारी वर्षा के कारण सड़कों पर जलजमाव हो गया है। इसके कारण लोगों को आवाजाही में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा- 4 साल के लिए सेना में भर्ती होंगे युवा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार मंगलवार को रक्षा बलों के लिए अग्निपथ भर्ती योजना की घोषणा की। इसके तहत सैनिकों को सिर्फ चार साल के लिए

भर्ती किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना में भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव के लिए अग्निपथ भर्ती योजना' का ऐलान किया। राजनाथ सिंह ने बताया कि अग्निपथ भर्ती योजना के तहत सेना में चार साल के लिए युवाओं को भर्ती कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें नौकरी से छोड़ते वक्त सेवा निधि पैकेज मिलेगा इस योजना के तहत सेना में शामिल होने वाले युवाओं को अग्निवीर कहा जाएगा। तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस योजना का प्रेजेंटेशन भी दिया था। इस योजना के तहत सेना में युवा कम समय के लिए भर्ती हो सकेंगे। इस योजना को अग्निपथ स्कीम नाम दिया गया है। इसके तहत युवा चार साल के लिए सेना में शामिल हो सकते हैं और देश की सेवा कर सकेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, नौसेना चीफ एडमिरल आर हरि कुमार की मौजूदगी में सेना की अग्निपथ स्कीम की लॉन्चिंग मौके पर कहा कि अग्निपथ योजना का लक्ष्य सैन्य सेवा की प्रोफाइल को यूजफुल रखा जाए। इससे युवाओं की हेल्थ और फिटनेस लेवल भी अच्छा रहेगा। इस योजना के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराएगा। इससे जीडीपी ग्रोथ में सहायक होगी।

ईडी के अधिकांश प्रश्नो पर राहुल गांधी ने साधी चुप्पी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांडिंग मामले में ईडी ने सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से दो दौर में लगभग साढ़े आठ घंटे पूछताछ की। राहुल से रात साढ़े नौ बजे तक पूछताछ हुई, लेकिन ईडी के दफ्तर से वह दो घंटे बाद रात 11:30 बजे बाहर निकले। ईडी ने राहुल को मंगलवार यानी आज फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। पहली बार ईडी की पूछताछ का सामना करने वाले राहुल ने अधिकांश सवालों पर चुप्पी साध ली। ईडी के नियम के मुताबिक राहुल को खुद अपने हाथों से सभी सवालों का जवाब कागज पर लिखने को कहा गया। गौरतलब है कि ईडी के सवालों का जवाब लिखने के बाद कागज के ऊपर बाईं ओर और नीचे भी दस्तखत करने होते हैं। इसी कारण ईडी में दिए गए बयान को अदालत में पुख्ता सुबूत माना जाता है राहुल से यंग इंडिया व एजेएल से जुड़े सवाल पूछे गए। इसमें सोनिया गांधी की यंग इंडिया के कामकाज में भागीदारी से जुड़े सवाल भी थे। ईडी ने राहुल से यंग इंडिया की परिसंपत्तियों की जानकारी मांगी। सवालों के जरिए ईडी उस साजिश का पता लगाने की कोशिश कर रही थी, जिससे एजेएल की हजारों करोड़ की संपत्ति को गांधी परिवार की एक कंपनी के हवाले

कर दिया गया। राहुल गांधी कल सुबह लगभग 11.10 बजे दिल्ली स्थित ईडी दफ्तर पहुंचे, 20 मिनट बाद पूछताछ शुरु हुई। लगभग तीन घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने दोपहर 2.10 बजे राहुल को लंच के लिए घर जाने दिया। लंच ब्रेक में राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी से मिलने सर गंगा राम अस्पताल पहुंचे। दोपहर बाद 3.30 बजे राहुल दोबारा पूछताछ के लिए ईडी के दफ्तर पहुंचे।-दूसरे दौर में रात लगभग 9.30 बजे तक राहुल से ईडी ने पूछताछ की। पूछताछ के लगभग 2 घंटे बाद रात - 11.30 बजे राहुल ईडी दफ्तर से बाहर निकले। यंग इंडिया में उनका पद क्या है, इसकी मीटिंग में भाग लेते हैं या नहीं यंग इंडिया की मीटिंग कौन बुलाता है और उसमें कौन-कौन शामिल होते हैं -सोनिया गांधी की यंग इंडिया के कामकाज में कितनी भागीदारी होती है?पांच हजार से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों के साथ मिलकर जवाहर लाल नेहरू ने 1938 में नेशनल हेराल्ड अखबार शुरू किया था। एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) इसका प्रकाशन करती थी। अखबार की माली हालत खराब होने पर कांग्रेस ने उसे 90.25 करोड़ रुपये का कर्ज दिया। 2008 में अखबार बंद हो गया। 2010 में कांग्रेस ने यंग इंडिया प्रा. लिमिटेड (वाईआइएल) नामक कंपनी बनाई और मात्र 50 लाख रुपये लेकर उसे एजेएल से 90.25 करोड़ रुपये कर्ज वसूली का अधिकार दे दिया। यंग इंडिया में सोनिया और राहुल की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस सौदे को लेकर भाजपा नेता सुब्रहमण्यम स्वामी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने गांधी परिवार पर यंग इंडिया के जरिये एजेएल की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति हथियाने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी।

समाजवादी पार्टी द्वारा निर्विरोध एमएलसी बनाए गए मोहम्मद जास्मीरअंसारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। से समाजवादी पार्टी ने मोहम्मद जास्मीर अंसारी को सदस्य विधान परिषद बनाकर नगर वासियों को खुशी का एक और मौका दिया जास्मीन अंसारी के एमएलसी बनने पर लहरपुर में जशन का माहौल है नगर पालिका अध्यक्ष से राजनीतिक कैरियर शुरू करने वाले जास्मीर सीतापुर की लहरपुर विधानसभा से बसपा से दो बार विधायक रह चुके एवं वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष हैं जास्मीन अंसारी बसपा का दामन छोड़ सपा में शामिल हुए और सपा में भी अपना दबदबा कायम रखा , उनकी पत्नी कैसर जहां सीतापुर से सांसद रह चुकी हैं समाजवादी पार्टी ने हाल ही में विधानसभा चुनाव में उन्हें स्टार प्रचारक भी बनाया था एवं लहरपुर से सपा से जीते हुए विधायक अनिल वर्मा का टिकट दिलाने में भी उनकी मुख्य भूमिका रही जास्मीर अंसारी ने समाजवादी पार्टी के कई नेताओं को दरकिनार कर एमएलसी का ताज हासिल किया है समाजवादी पार्टी द्वारा उन्हें सदस्य विधान परिषद बनाए जाने पर लहरपुर एवं क्षेत्र वासियों में काफी उत्साह।

पुलिस की अपीलष्ठजनहित में जारी प्रयागराज, तारीख़ 14 जून 22

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। गिरफ़्तारी / भड़काऊ पोस्ट से संबंधित भड़काऊ पोस्ट लिखने, फ़ॉरवर्ड करने से कड़ाई से परहेज़ करें भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट करके, भड़काऊ वीडियो बयान जारी करके, साज़िश रच कर, माहौल ख़राब या ख़राब करने की

कोशिश करने वालों को किसी भी सूरत में क़तई बख़्शा नहीं जाएगा मौक़ापरस्तों के मकड़ जाल से बचें कुछ मुट्ठी भर मौक़ापरस्त लोगों के द्वारा, अमन ओ अमान ख़राब कर अपने स्वार्थ की रोटियाँ सेंकने वाले लोगों के द्वारा सोशल मीडिया (ह्वाट्सऐप, फ़ेसबुक, ट्विटर आदि) का सहारा लेकर तमाम तरह की अफ़वाहें फैलाने की कोशिशें मुसलसल जारी हैं, जिस पर पैनी नज़र रखी जा रही है। ऐसे शातिर लोगों पर मुक़दमे भी दर्ज किए जा रहे है चाहे वे किसी भी दल, बल या संगठन से ताल्लुक़ रखते हों। सावधान आप की निगरानी की जा रही हैहर छोटी-बड़ी सोशल मीडिया पोस्ट को 72 लोगों की तेज़ तर्रार टीम द्वारा ऑन रिकॉर्ड लिया जा रहा है ताकि समय आने पर उसे सबूत की तरह इस्तेमाल किया जा सके किसी भी प्रकार के अफ़वाहों पर दौड़े नहीं, तत्काल सूचना दें जिले के बासिन्दों से पुरज़ोर अपील की जाती है कि बराए मेहरबानी किसी भी अफ़वाह पर ध्यान ना दें; अलबत्ता, हर अफ़वाह की इत्तला पुलिस के मोबाइल नम्बरों (9454402863, 9454400248, 8941001786) पर दें ताकि फ़ौरन मुकम्मल और कड़ा ऐक्शन लिया जा सके किसी भी दोषी को क़तई बख़्शा नहीं जाएग आपको बाख़बर करना है कि आप में से किसी को भी क़ानून अपने हाथ में लेने की क़तई ज़रूरत नहीं है, इसमें आपका ही नुक़सान होगा। यक़ीन रखिए आपकी इत्तिला पर फ़ौरन पुलिस प्रशासन चुस्ती और मुस्तैदी से अपना काम करेगी। हम वायदा करते है कि पुलिस की हर कार्यवाही बिना किसी भेदभाव के अमल में लाई जाएगी। किसी भी दोषी को किसी भी सूरत में क़तई बख़्शा नहीं जाएगा बिना कोई भेदभाव किए, आपकी अपनी पुलिस आपकी सेवा, आपकी सुरक्षा और समूचे जिले में अमन ओ अमान क़ायम रखने के वास्ते मुकम्मल मुस्तैदी के साथ कमर कस कर हमेशा तैयार हैष्ठ साथ ही, यह भी अवगत कराना है कि–1.. किसी भी बेक़सूर पर क़तई कोई भी कार्यवाही नहीं की जाएगी 2.. परन्तु, किसी भी दोषी / साजिश करने वाले को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा3.. वीडियो फुटेज एवं सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध दिखने वाले हर शख़्स से पूछताछ की जाएगी। परन्तु गिरफ़्तारी उसी की होगी जिसका दोष पाया जाएगा, और जिसने पथराव और आगज़नी में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है।

10 और पत्थरबाजों की जमानत अरर्जी खारिज

प्रयागराज। जुमे की नमाज के बाद अटाला इलाके में हुए उपद्रव और पत्थरबाजी करने के आरोप में गिरफ्तार 10 आरोपितों की जमानत अर्जी मजिस्ट्रेट की अदालत ने खारिज कर दी है। ?अदालत ने कहा कि इन सभी पर आरोप गंभीर प्रकृति के अपराध के हैं इसलिए जमानत का कोई पर्याप्त आधार नहीं है। गौरतलब है कि दो दिन

पहले आधा दर्जन आरोपितों की जमानत अर्जी इसी न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी है। उपद्रव के मास्टर माइंड जावेद पंप और पेश इमाम समेत तकरीबन सौ लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अपर सीजेएम अरुण कुमार ने आरोपितों के अधिवक्ताओं के और अभियोजन अधिकारी अविनाश सिंह एवं किसलय पांडेय के तर्कों को सुनने के बाद जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। बीते शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद भारी संख्या में एकत्र लोगों ने अटाला में सुरक्षा बलों पर पथराव किया था। बमबाजी भी की गई थी। आरएएफ और पुलिस के कर्मचारी जख्मी हुए। अधिकारियों को भी पत्थर लगे थे। पीएसी के ट्रक में भी आगजनी की। कई बाइक जला दी। शांति व्यवस्था बनाने के बाद करेली और खुल्दाबाद थाने में मुकदमे लिखकर नामजद आरोपित और चिन्हित पत्थरबाज गिरफ्तार हुए। गिरफ्तार लोगों में बवाल का मास्टर माइंड जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप और अटाला मस्जिद का पेश इमाम भी है। जावेद पंप का घर भी पीडीए ने ढहा दिया है। सुफियान ,अकरम, सद्दाम हुसैन, शकील अहमद, मोहम्मद हसन, अब्दुल जाहिद उर्फ. बली, मोहम्मद साजिद ,इमरान, सद्दाम व अली रिजवी।

प्रयागराज में जुमे की नमाज के बाद बवाल करने वाले भूमिगत हो गए हैं, फरार अभियुक्तों की पुलिस को तलाश

प्रयागराज। प्रयागराज में जुमे की नमाज के बाद 10 जून को अटाला इलाके में जमकर बवाल हुआ था। पुलिस पर पथराव के साथ कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों पुलिसकमिर्यों , मीडियाकमिर्यों समेत कई लोग जख?मी भी हुए थे। इस बवाल में शामिल उपद्रवियों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई चल रही है। हालांकि उपद्रव करने वाले कई आरोपित अभी भी फरार चल रहे हैं। वे गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत हो गए हैं। पुलिस व एसओजी ने कई संदिग?थ को पकड़ा, कई घरों बंद है ताला : बवाल के फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस और एसओजी की टीम अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर रही है। मंगलवार की रात में भी दबिश देकर पुलिस पुलिस ने कई संदिग्ध युवकों को पकड़कर पूछताछ की। साथ ही घटना में उनकी संलिप्तता की

जांच चल रही है। उधर, गिरफ्तारी के भय से कई आरोपित फरार हैं। उनके घरों पर ताला लटक रहा है और परिवार के सदस्य भी करीबियों के यहां पनाह लिए हुए हैं। दो थानों में पांच हजार अज्ञात पर केस दर्ज है : करेली और खुल्दाबाद पुलिस ने बवाल के मामले में नामजद के अलावा पांच हजार से अधिक अज्ञात के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा कायम किया है। इसमें कई पर साजिश रचने का भी आरोप है। बवाल का मास?टरमाइंड जावेद पंप व पेश इमाम गिरफ्तार हो चुके हैं : अब तक घटना के मास्टरमाइंड जावेद पंप, बड़ी मस्जिद के पेश इमाम सहित 92 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मगर करेली का पार्षद फजल खां, एआइएमआइएम का जिलाध्यक्ष शाह आलम, किसान-मजदूर संगठन से जुड़े आशीष मित्तल समेत कई नामजद आरोपित फरार हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी और वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। कुछ लोगों को तस्दीक करते हुए धरपकड़ चल रही है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला, दहेज उत्पीड़न में दो महीने तक नहीं हो गिरफ्तारी, लिव इन रिलेशन को मिल रहा बढ़ावा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज उत्पीड़न की धारा 498 ए के दुरुपयोग को देखते हुए महत्वपूर्ण आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि आईपीसी की धारा 498 ए के तहत दर्ज मुकदमे में दो माह तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं कि जाए। इस दौरान परिवार कल्याण समिति मामले पर विचार कर अपनी रिपोर्ट दे। यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने दिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने पर दो महीने तक पुलिस कोई भी उत्पीड़नात्मक कार्रवाई भी न करे। हाई कोर्ट ने कहा कि दो माह के कूलिंग पीरियड के दौरान पारिवारिक विवाद को सुलझाने का भी प्रयास किया जाय। केस दर्ज होते ही परिवार कल्याण समिति को भेजा जाए। कमेटी विस्तृत रिपोर्ट बनाए और उसे पुलिस व मजिस्ट्रेट को सौंपे। कोर्ट ने कमेटी को राहत देते हुए कहा कि मुकदमे में कमेटी के किसी सदस्य को गवाह के तौर पर नहीं बुलाया जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि दहेज उत्पीड़न की धारा 498 ए का दुरुपयोग वैवाहिक संस्था को प्रभावित कर रही है और लिव इन रिलेशनशिप परंपरागत विवाह का स्थान लेती जा रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने मुकेश बंसल की याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि लिव इन रिलेशनशिप चुपचाप हमारी सामाजिक सांस्कृतिक मान्यताओं परंपरागत विवाह का स्थान लेती जा रही है। यह जमीनी हकीकत है जिसे हमें स्वीकार करना पड़ेगा।कोर्ट ने कहा कि जोड़े बिना विवाह किए एक साथ रहना व यौन संबंध बनाए रखने पर राजी होते हैं। यह अविवाहित लोगों की एक छत के नीचे रोमांटिक यौन? संबंध बनाए रखने सहमति पर होता है। ऐसा वैधानिक जवाबदेही से बचने के लिए किया जा रहा है। बार एसोसिएशन से न्यायिक कामकाज में बाधा की अपेक्षा नहीं : हाईकोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बार एसोसिएशन मुजफ्फनगर के न्यायिक कार्य से विरत रहने पर नाराजगी व्यक्त की है। कोर्ट ने कहा कि बार एसोसिएशन पंजीकृत सोसायटी से अधिक नहीं है। वह अपने सदस्यों के लिए कामकाज करती है। उससे यह अपेक्षा नहीं की जा सकती है कि वह अदालतों के न्यायिक कामकाज में बाधा उत्पनन करे। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने रजनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

सब इंस्पेक्टर चयनित इन दो बहनों का लक्ष्य है बड़ा, आइएएस और पीसीएस की तैयारी में हैं जुटी

प्रयागराज। पिता दारोगा पद से रिटायर हुए और फिर दो बेटियां भी एक साथ बन गई सब इंस्पेक्टर। एक पिता के जीवन की सार्थकता उसके बच्चों की कामयाबी पर निर्भर होती है और जब दो पुत्रियां एक साथ कामयाबी की राह पर बढ़ जाएं तो समझ सकते हैं कि भला कैसी खुशी मिली होगी पिता और परिवार को। प्रयागराज में सराय इनायत इलाके में ब्लाक बहादुरपुर के धरौली जुनेदपुर गांव की दो सगी बहनों ने एक साथ दारोगा की परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने परिवार का गौरव बढ़ाया लेकिन उनका लक्ष्य इससे बड़ा है। वे आइएएस और पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल करना चाहती हैं और इसके लिए पढ़ाई और तैयारी कर रही हैं। फतेहपुर जनपद से दारोगा पद से रिटायर हुए तुलसीराम अपने बच्चों की अच्छी परवरिश और शिक्षा के प्रति सजग रहे हैं।

राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिह ने नूपुर शर्मा के समर्थन में किया ट्वीट

प्रयागराज। भाजपा प्रवक?ता नूपुर शर्मा की इन दिनों हर ओर चर्चा हो रही हैं। उनके खिलाफ और

समर्थन में बयानबाजी भी लगातार की जा रही है। कोई उनका विरोध कर रहा है तो कई समर्थन में उतर आए हैं। नूपुर शर्मा को लेकर इंटरनेट मीडिया पर भी काफी पोस?ट हो रहे है कुंडा के चौराहों पर बैनर लगवाकर लोगों से समर्थन की बात कही : भाजपा प्रवक?ती रहीं नूपुर शर्मा के समर्थन में यूपी के प्रतापगढ़ में कुंडा के विधायक और पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया के पिता भी आगे आए हैं। रघुराज प्रताप सिंह के पिता उदय प्रताप सिंह ने नुपुर शर्मा की बातों का समर्थन किया है। उन्होंने ट्वीट किया है कि नुपुर शर्मा इलेक्शन में खड़ी हो जाए रिकार्ड मतों से जीतेंगी। उन्होंने कुंडा विधानसभा के चौराहों पर बैनर लगवाकर लोगों से नुपुर का समर्थन करने की बात कही है। भगवा ध्वज घरों व दुकानों के सामने लगवाएं : ट्वीट के जरिए उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि सनातन धर्म को मानने वाले सारे लोग नूपुर शर्मा के समर्थन में अपने-अपने घरों और अपनी-अपनी दुकानों के सामने भगवा ध्वज लगाएं। इस प्रकरण के पहले भी उदय प्रताप हिंदुत्व व भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में ट्वीट करते रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले उन्होंने एक ट्वीट में कहा था कि यदि नूपुर चुनावी मैदान में उतरती हैं तो लाखों वोटों से वह विजय प्राप्त करेंगी।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफटी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विमन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रश्क्षिणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यमी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलब्ध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्र:– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

प्रयागराज की यह इमारत यूपी विधान मंडल की पहली बैठक की गवाह, उम्र 100 साल बढ़ाने की तैयारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की पहली विधान मंडल बैठक के साक्षी थार्नहिल मायने मेमोरियल भवन (वर्तमान राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी) की उम्र 100 साल बढ़ाने की तैयारी है। 144 साल के हो चुके इस भवन की दीवारें, फर्श, ऊपरी हिस्सा, ऊंची मीनार और लकड़ी की साज-सज्जा समय बीतने के साथ जर्जर हो चली है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत चार करोड़ रुपये खर्च करके इसकी मरम्मत करायी जाएगी। इसका स्वरूप बिल्कुल वैसे ही दिया जाएगा जैसे तत्कालीन कारीगरों ने दिया था। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में स्थित राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी भवन का वास्तविक नाम थार्नहिल मायने मेमोरियल है। इसका शिलान्यास 1871 में हुआ था और 1878 में यह भवन पूरी तरह से बनकर तैयार हुआ था। आठ जनवरी 1887 को इस भवन में उप्र विधान मंडल की पहली बैठक हुई थी, तब उत्तर प्रदेश नार्थ वेस्टर्न प्रोविंसेस एंड अवध के नाम से जाना

जाता था। यह भवन गोथिक-स्काटिस स्थापत्य शैली में बनाया गया था। इसे तब देश का सबसे खूबसूरत पुस्तकालय भवन कहा गया था। पुस्तकालय भवन की मरम्मत हेरिटेज भवनों के संवारने-संरक्षण करने वाली राष्ट्रीय संस्था इंटेक (इंडियन नेशनल ट्रस्ट फार आर्ट एंड कल्चर) की निगरानी में होगी। जबकि काम ग्वालियर की एक एजेंसी को दिया गया था। यह एजेंसी इंटेक के साथ मिलकर पत्थर, लकड़ी, अन्य सामग्री बिल्कुल वैसे ही इस्तेमाल करेगी जैसे इसके शुरुआती निर्माण में हुआ था। थार्नहिल मायने मेमोरियल भवन की बाहरी और भीतरी बनावट स्थापत्य कला की खूबसूरती का बेजोड़ नमूना है। तब अंग्रेजों के बुलाए कारीगरों ने तत्कालीन ब्रिटिश अफसरों की देखरेख में इसे बनाया था और अब इसे भारतीय कारीगर पहले जैसा बनाएंगे। राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष डा. गोपाल मोहन शुक्ल कहते हैं कि जो काम अब होने जा रहा है उसका प्रयास वे आठ साल से कर रहे हैं। वर्तमान मंडलायुक्त संजय गोयल ने रुचि ली और प्रयास रंग लाया।

देवरिया में धारदार हथियार से काटकर पिता-पुत्र की हत्या, एक की स्थिति गंभीर

देवरिया। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम महराजगंज बलुअहा में सोमवार की रात आपसी विवाद में धारदार हथियार से बाइक मिस्त्री पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई। घटना में दूसरा पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलावस्था में जिला अस्पताल भिजवाया। दूसरे पुत्र का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी है। पुलि?स के आला अधिकारियों ने घटनाथल का जायजा लेकर हत्यारों की गिरफ्तारी का आदेश दिया गांव के 65 वर्षीय शहीद बाइक मिस्त्री थे। उनके परिवार और गांव के एक व्यक्ति के यहां से काफी दिनों से विवाद चल रहा था। रात में बाइक मिस्त्री शहीद के पुत्र 23 वर्षीय नाजिर सो रहे थे। तभी एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला कर मरणासनन्न कर दिया। इसके बाद हमलावर ने घर से सटे कास्मेटिक दुकान में सोए शहीद पर ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद बाइक मिस्त्री के दूसरे पुत्र शकील को भी घायल कर दिया। तीनों को स्वजन सीएचसी रुद्रपुर ले गए, जहां चिकित्सक ने पिता शहीद व पुत्र नाजिर को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल दूसरे पुत्र शकील का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। दरवाजे के बाहर खून पसरा हुआ था। घटना के बाद गांव में मातम छाया है। गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया। घटनास्थल का डीआइजी गोरखपुर के रवींद्र गौड और पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने जायजा लिया। पुलिस ने एक आरोपित को हिरासत में ले लिया है। पुलिस घटना के अन्य पहलुओं की छानबीन कर रही है। पिता-पुत्र की हत्या की बात प्रथम दृष्टया आपसी विवाद की बात आ रही है। एक घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस ने एक हत्यारोपित को हिरासत में ले लिया है।

कुशीनगर में बड़ा सड़क हादसा, बिहार से पंजाब जा रही बस और ट्रक में टक्क चार की मौत व 29 घायल

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में बड़ी सड़क दुर्घटना हुई है। यहां बस और ट्रक की आमने सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिहार के मधेपुरा से पंजाब के पटियाला में धान की रोपनी के लिए मजदूरों को लेकर जा रही बस संख्या पीबी 30एन 8878 के हाटा नगर के समीप नेशनल हाइवे पर बालू लदी खड़ी ट्रक से भिड़ जाने से बस के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में दो मजदूरों की मृत्यु मौके पर हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए। घटना रात में दो बजे के आसपास हुई। अगल बगल गांव के लोग तेज आवाज सुनकर दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी हाटा पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने पूरन सादा 18 वर्ष निवासी बराही थाना, जिला मधेपुरा बिहार तथा धीरेन 18 वर्ष निवासी बेलारी जिला मधेपुरा को मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल जाते समय सुशील 30 वर्ष पुत्र सुकन निवासी बराही, मधेपुरा व हृदय 50 वर्ष निवासी बराही थाना मधेपुरा ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना मे ठीकेदार राजेश, राजकुमार, विकास सादा, विजय सादा सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बस मे लगभग 80 लोग सवार थे। सभी मजदूर व ठीकेदार मधेपुरा जिले के ही निवासी हैं। अस्पताल पर समुचित इलाज न मिल पाने से मजदूर परेशान रहे। कोतवाल राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी मिलते ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तहरीर नहीं मिली है। सभी मजदूर थे, रोजी रोटी के लिए रोपनी करने जा रहे थे। ठीकेदार ने बताया कि हर वर्ष खेती के सीजन में जाते हैं और वहां मजदूरी करते हैं। कुछ दिन बाद वापस घर लौटते हैं। बिहार की तुलना में वहां उनको दोगुना से अधिक मजदूरी मिलने की भी बात बताई है। मजदूरों के स्वजन को सूचित कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

प्रेमिका से खूब बातें करता था, मां ने फोन तोड़ दिया तो फंदे पर लटका

आजमगढ़। प्रेम प्रसंग में आजमगढ़ जिले में युवक द्वारा फांसी लगाने की घटना सामने आई है। दरअसल प्रेमी का फोन मां ने पटक कर तोड़ दिया तो उसकी प्रेमिका से बात नहीं हो सकी। इस बात से व्यथित होने के बाद उसने अपने ही घर में फांसी के फंदे पर लटक कर जान देने की कोशिश की। इसकी जानकारी होने के बाद परिजनों ने उसे किसी तरह फंदे से उतार कर अस?पताल में भर्ती कराया जहां उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उभारपुर गांव में सोमवार की सुबह जब प्रेमी का मोबाइल टूटा तो वह अपनी प्रेमिका से बात नहीं कर सका। इस बात से वह अवसाद में चला गया और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। लेकिन, समय रहते स्वजन की नजर पड़ी तो आनन-फानन गंभीरपुर सामुदायिक स्वाथ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां डाक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के मेल मेडिकल वार्ड के एक्ट्रा वार्ड बेड नंबर 10 पर भर्ती उभारपुर गांव निवासी विवेक की मां आशा देवी ने बताया कि इसका गांव की किसी युवती से प्रेम हो गया था। आए दिन घंटे- दो घंटे बात किया करता था। परिवार के लोगों ने बहुत समझाया लेकिन समझ में नहीं आ सका। सोमवार की सुबह जब प्रेमिका से विवेक बात कर रहा था तभी मैंने और परिवार के अन्य सदस्यों ने देख लिया और मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। मां ने बताया कि उसके बाद हम सभी घर के कामकाज में जुट गए, तो उसके थोड़ी ही देर बाद कमरे में गया और रस्सी के सहारे चुल्ले से लटककर फांसी लगा ली। संयोग से उसकी छोटी बहन ने देखा और चीखने लगी, तो हम लोगों ने फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया। आपातकालीन कक्ष में तैनात डाक्टर एके शाह ने हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

भांजे ने शादी करके दुल्हन अपने मामा को सौंपा, मायके आने पर खुला भेद- जानें फिर क्या हुआ

गोरखपुर। झांसा देकर युवती से शादी करने के बाद युवक ने उसे गोंडा में रहने वाले अपने मामा को सौंप दिया। तीन माह तक वह युवक के मामा के साथ रही। मायके जाने की जिद करने पर आरोपित उसे मायके ले आया। घटना की जानकारी होने पर युवती के स्वजन ने आरोपित को रस्सी से बांधकर पीटने के बाद गुलरिहा पुलिस को सौंप दिया। पुलिस आरोप की जांच कर रही है। गुलरिहा क्षेत्र की रहने वाली युवती की शादी उसके पड़ोस में रहने वाली महिला ने गोंडा जिले के एक युवक से तय कराया था। बांसस्थान मंदिर में बरात पहुंची तो दूल्हा दूसरा था।लड़की के स्वजन ने आपत्ति जताया तो लड़का पक्ष के लोगों ने बताया कि उसको मिर्गी आती है, इसलिए उसे नहीं लाया गया। बरात में आए दूसरे लड़के से युवती की शादी करा दी गई। आरोप है कि शादी के बाद युवती गोंडा चली गयी। वहां पहुंचने पर युवक ने उसे अपने घर पहुंचा दिया। युवती के अनुसार रात को उसके कमरे में दूल्हे का मामा पहुंचा तो वह अवाक रह गई। विरोध करने पर परिवार के लोगों ने जबरन अधेड़ उम्र के मामा के साथ कमरे में बंद कर दिया। इस बीच लगातार उसे प्रताड़ित किया गया। तीन दिन पहले उसने मायके जाने की जिद की। जिसके बाद रविवार को दूल्हे का मामा उसे लेकर मायके पहुंचा। गुलरिहा पुलिस शादी करने वाली महिला के साथ ही आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा उमेश बाजपेई ने बतया कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल गोंडा होने की वजह से मुकदमा वहीं दर्ज होगा। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप : भटहट क्षेत्र की एक युवती ने अपने गांव के युवक पर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। गुलरिहा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी तहरीर में उसने लिखा है कि आरोपित युवक से उसका दो साल से प्रेम-संबंध था। शादी करने का झांसा देकर उसने कई बार दुष्कर्म किया। स्वजन ने एक बार साथ में पकड़ लिया। पंचायत के बाद आरोपित बाहर चला गया। पांच जून को लौटने के बाद वह शादी करने का प्रस्ताव लेकर घर गयी। लेकिन स्वजन ने मना कर दिया। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा उमेश बाजपेई ने बताया कि आरोपित की तलाश चल रही है दुष्कर्म आरोपित गिरफ्तारः झंगहा थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। आरोपित आसिफ खान झंगहा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर धोबौली का निवासी है। पुलिस ने बताया कि आरोपित ने एक महिला के साथ दुष्कर्म किया है।

भड़काऊ पोस्ट डालने वाले 261 लोगों पर पुलिस की कड़ी नजर, एक आरोपित गिरफ्तार

गोरखपुर। गोरखपुर जिले में इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वाले गोरखपुर जिले के 261 लोग पुलिस की रडार पर हैं। साइबर सेल के साथ ही थाने की पुलिस इनकी निगरानी कर रही है। सोमवार की रात चिलुआताल पुलिस ने जुमे पर रैली निकालने की अपील करने वाले युवक को गिरफ्तार किया, उससे पूछताछ चल रही है। ये है मामलाः जुमे की नमाज को सकुशल संपनन्न कराने के लिए पुलिस ने अभी से तैयारी शुरु कर दी है। संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस अधिकारी ड्रोन से निगरानी व फ्लैग मार्च कर रहे हैं। नुपुर शर्मा प्रकरण को लेकर इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ व आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों की निगरानी शुरु कर दी गई है। पोस्ट डिलीट करने की चेतावनी दे रही पुलिसः दो दिन में साइबर सेल के अलावा एसएसपी की मीडिया सेल ने शहरी क्षेत्र में रहने वाले ऐसे लोगों को चिन्हित किया है जिन्होंने अपने फेसबुक, ट्वीटर व इंस्टाग्राम एकाउंट से माहौल गरम करने वाला पोस्ट शेयर किया है। इन लोगों की निगरानी करने के साथ ही मैसेज भेजकर पुलिस ने पोस्ट डिलीट करने की चेतावनी दी है। जुमे की नजाम के बाद रैली निकालने की अपील करने वाला गिरफ्तारः निगरानी के बीच चिलुआताल के करीमनगर मोहल्ले में रहने वाले युवक ने 17 जून को जुमे की नजाम के बाद रैली निकालने की अपील करते हुए इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। जानकारी होते ही पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया।अधिकारी बोलेः एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि माहौल को गरम करने की कोशिश करने वाले दोनों पक्ष के लोग चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें मैसेज भेजकर चेतावनी दी गई है।

उपद्रव की कोशिश करने व साजिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। फुटेज की मदद से पुलिस ने बनवाई महिला की तस्वीरः उधर, कार में आग लगाने वाली बुर्काधारी महिला का चार दिन बाद भी कैंट पुलिस नहीं ढूंढ पाई है। अधिकारी बेतियाहाता व आसपास के क्षेत्र में लगे सीसी कैमरे का फुटेज देखने का दावा कर रहे हैं। फुटेज की मदद से पुलिस ने महिला की तस्वीर तैयार कराई है जिसे आसपास के लोगों को दिखाया जा रहा है।ये है मामलाः गोरखनाथ के जटेपुर उत्तरी लोहिया नगर निवासी अजय श्रीवास्तव 10 जून की शाम पतनी को दिखाने के लिए दाउदपुर काली मंदिर पास आए थे। उन्होंने अपनी कार मझौली कंपाउंड परिसर में खड़ी की थी। ज्वलनशील पदार्थ लेकर पहुंची बुर्काधारी महिला कार में आग लगाकर फरार हो गई। सीसी कैमरा फुटेज में उसकी करतूत कैद हो गई। जिसकी मदद से कैंट पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम महिला को तलाश रही है। एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि जल्द ही महिला को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रामगढ़ताल में खोजी जाएगी जेई, डेंगू और मलेरिया के कारक मच्छरों की पहचान, गोरखपुर एम्स लेगा अमेरिका के विशेषज्ञों की मदद

गोरखपुर। गोरखपुर एम्स, रामगढ़ताल में मच्छरों के लार्वा खोजेगा। उनकी प्रजातियों के बारे में अध्ययन किया जाएगा, ताकि पता चल सके कि ताल में किन-किन रोगों के वाहक मच्छर पनप रहे हैं और उनसे संबंधित कितने रोग लोगों को अपनी चपेट में ले रहे हैं। अध्ययन के लिए कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की देखरेख में कमेटी का गठन कर दिया गया है। इस कार्य में क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) व जान हापकिंस यूनिवर्सिटी, अमेरिका के विशेषज्ञों की भी मदद ली जाएगी। मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने का अभियान चलाएगी टीमः लगभग 1700 एकड़ में फैला रामगढ़ताल यहां का सबसे बड़ा जलाशय है। इसके चारों तरफ घनी आबादी है। ताल में हमेशा पानी होने की वजह से यहां अनेक रोगों के वाहक मच्छरों के पनपने की आशंका है। जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई), डेंगू और मलेरिया आदि रोगों के कारक मच्छर व उनके लार्वा ताल के किनारे मौजूद हो सकते हैं। उनकी पहचान कर इन रोगों की रोकथाम के उपाय खोजे जाएंगे। कमेटी ताल का निरीक्षण और वहां के जल का परीक्षण कर मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने का अभियान भी चलाएगी। जहां भी लार्वा मिलेंगे, वहां एंटी लार्वल का छिड़काव किया जाएगा। ताकि उनसे फैलने वाले रोगों पर अंकुश लगाया जा सके। 2020 में ही बनी थी योजनाः मच्छरों के दृष्टिगत रामगढ़ ताल पर अध्ययन की योजना 2020 में ही बनाई गई थी। लेकिन कोरोना संक्रमण की वजह से इसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया था। अब संक्रमण नियंत्रित हो चुका है। इसलिए शीघ्र ही यह अध्ययन शुरू करने की तैयारी है। एम्स प्रबंधन के अनुसार जेई पर ज्यादा जोर रहेगा। इस रोग पर अलग से भी अध्ययन किया जाएगा, ताकि इसके कारणों की पड़ताल कर इस रोग को पूर्वांचल से पूरी तरह खत्म किया जा सके। इसके अलावा यदि ताल में अन्य रोगों के कारक तत्व मिलते हैं तो उन्हें भी अध्ययन का विषय बनाया जाएगा। एम्स की कार्यकारी निदेशक डा. सुरेखा किशोर ने बताया कि रामगढ़ ताल पर अध्ययन की योजना शुरू करने की तैयारी चल रही है। कमेटी गठित कर दी गई है। विशेषज्ञ ताल के किनारे जाकर पानी में मच्छरों के लार्वा की पहचान करेंगे। उन्हें नष्ट करने के उपाय भी किए जाएंगे, ताकि मच्छरों की वजह से फैलने वाले रोगों की रोकथाम की जा सके।

जगन्नाथ रथयात्रा 2022 : भक्तों के स्नान कराने से प्रभु होंगे बीमार, 15 दिन करेंगे विश्राम, लगेगा काढ़ा आदि का भोग

वाराणसी। मनुष्य अपने आराध्य प्रभु को किस तरफ से अपनी जीवनचर्या से जोड़ लेता है, उसका अकाट्य प्रमाण बुधवार को असि स्थित भगवान जगननथ के मंदिर में दिखाई दिया। भक्त जेठ की तपिश से परेशान थे तो उन्हें अपने प्रभु की भी चिंता हुई और उन्हें गर्मी से शीतलता प्रदान करने के लिए जगननथ प्रभु के विग्रह को सन्नन कराने पहुंच गए। प्रभु भक्तों के प्रेम से इतने पग गए कि उन्हें मना नहीं किया और खूब सनन किया। फलतः वे बीमार पड़ गए और विश्राम को चले गए। प्रभु जगननथ और भक्तों की यह प्रेम व श्रद्धा लोक में भगवान जगननथ की रथयात्रा की पटकथा की पूर्व पीठिका रचती है जो भूतभावन भोलेनाथ की नगरी में भी सौ वर्षों से ज्यादा हर वर्ष निभाई जाती है। इस क्रम में प्रातः काल तीन बजे से ही पट खुलने के पूर्व ही प्रभु जगननथ के भक्त जगननथ मंदिर गंगाजल लेकर पहुंच गए थे। पट खुलते ही सन्नन का जो क्रम चला देर शाम तक जारी रहेगा। इस वर्ष यह पर्व इसलिए महत्वपूर्ण है कि कोरोना संक्रमण के कारण दो वर्ष बाद रथयात्रा मेला शुरू होगा। इस दौरान मंदिर परिसर के बाहर भक्तजन डमरू वादन व भगवान का जयकारा लगाकर अपने भक्ति का श्रद्धा को प्रदर्शित कर रहे थे। मंदिर सूत्रों के अनुसार रथयात्रा की परम्परानुसार प्रभु के बीमार पड़ने से आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा से चतुर्दशी तक (एक पखवारा) तक मंदिर का पट बन्द रहेगा। इस दौरान जगननथ प्रभु के विग्रह का दर्शन नहीं होगा। उन्हें काढ़ा आदि का भोग लगाया जाएगा। आषाढ़ी अमावस्या को भोर में पट खोला जाएगा और दर्शन शुरू होगा। उसी दिन शाम को प्रभु जगननथ मनफेर करने के लिए अपने भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर को निकलते हैं जिसे लोक में रथयात्रा कहा जाता है। काशी में रथयात्रा के स्थान पर तीनों विग्रहों की डोली यात्रा बेनीराम के बागीचे (रथयात्रा) तक निकाली जाती है और काशी में तीन दिवसीय रथयात्रा मेला आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि से चतुर्थी तिथि तक आयोजित होता है।

वाराणसी में जेष्ठ माह के पांचवें और साल के अंतिम बड़े मंगलवार पर मंदिरों में उमड़ी आस्था........

वाराणसी। श्री हनुमान जी को समर्पित ज्येष्ठ मास के मंगलवार का आज आखिरी दिन होने से हनुमान मंदिरों में लोगों की खूब भीड़ उमड़ी और हनुमान के दर्शन पूजन के साथ ही लोगों ने उनको आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान हनुमान मंदिरों में भजन पूजन के साथ ही मंदिर में विशेष श्रृंगार और भंडारा का आयोजन भी किया गया। इस दौरान हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन के लिए लोगों की भीड़ और लंबी कतार भी लगी रही। संकट मोचन मंदिर में सुबह से ही दर्शन पूजन के लिए लोगों की भीड़ लगी रही तो दर्शन पूजन के साथ ही जयकारे भी लगते रहे। संकट मोचन मंदिर में परंपराओं के अनुरूप सुबह साज श्रृंगार के साथ ही साफ सफाई की गई और आस्थावानों की सुविधा का भी इस दौरान ख्याल रखा गया। मंदिरों में आस्था का सागर इस लिहाज से भी उमड़ा के अब इस वर्ष आखिरी मंगलवार का यह दिन था। इसके अतिरिक्त शहर के अन्य मंदिरों में भी श्री हनुमान को उनके पसंदीदा लड्डुओं का भोग लगाकर आशीष मांगा। वहीं शहर में कई जगहों पर मंगलवार को भंडारा का आयोजन भी किया गया।

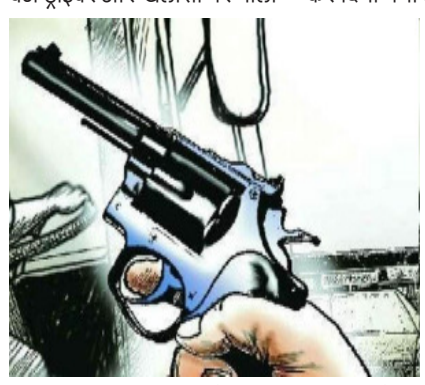

वाराणसी में डीसीएम चालक और खलासी को मारी गोली, पुलिस जांच में पुरानी रंजिश का अंदेशा

वाराणसी। लालपुर पांडेयपुर क्षेत्र के छोटा लालपुर स्थित शराब ठेके के सामने सोमवार की देर रात दो बजे ड्राइवर और खलासी पर गोली चलने से लोगों मे दहशत फैल गई। मौके पर एडीसीपी ने मयफोर्स घटनास्थल का मौका मुआयना कर वारदात की वजहों की पड़ताल की। वहीं पुरानी रंजिश में घटना होने का अंदेशा पुलिस जता रही है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से हमलावरों की तलाश में लालपुर पांडेयपुर पुलिस जुट गई है। दोनों घायलों को दीनदयाल अस्पताल से बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। डीसीएम चालक लालजी पाल (45), निवासी सरैया, नवापुरा, सारनाथ और खलासी मनीष यादव (27), निवासी रुस्तमपुर, चौबेपुर आजमगढ़ से माल उतारकर लालपुर मार्ग स्थित मिश्रा पेट्रोल पम्प पर गाड़ी खड़ा कर बाइक से पांडेयपुर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार बदमाशों ने बाइक पर बैठते ही गोली मार दी। चालक लालजी को गोली सीने में लगी उसके बाद मोटरसाइकिल पर पीछे सवार खलासी मनीष उतरकर एक घर में भागने का प्रयास किया। जिसे बदमाशों ने दौड़ाकर गोली मार दी। दोनों घायलों को तुरंत डीडीयू स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां घायलों की हालत गंभीर होते देख उन्हें डॉक्टरों ने बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी की मदद से पुलिस छानबीन शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया घटना को पुलिस रंजिश मानकर चल रही है। लालपुर पांडेयपुर इंस्पेक्टर सतीश यादव के अनुसार पुरानी रंजिश को आधार मानकर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार घायलों से लूटपाट का कोई प्रयास नहीं किया गया है। पुलिस आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज के आधार पर साक्ष्य जुटा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। मौके पर एडीसीपी प्रबल प्रताप सिंह ने मौके पर जाकर जांच की और बीएचयू में भर्ती घायलों से भी पूछताछ कर मामले का जल्दी से जल्दी खुलासा करने का निर्देश दिया।

एनडीपीएस एक्ट के तीन दोषियों को सुनाई सजा

सोनभद्र। एएसजे/एनडीपीएस एक्ट न्यायालय ने तीन व्यक्तियों को दोषी पाते हुए कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थदंड लगाया है। ओबरा पुलिस ने चूड़ी गली निवासी रंगीला कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले की सुनाई के दौरान न्यायालय ने उसे दोषी मानते हुए छह माह का कारावास, एक हजार रुपये का अर्थदंड व अर्थदंड जमा न करने पर एक माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई है। इसी तरह ओबरा पुलिस ने ही सेक्टर दस नई बस्ती निवासी प्रमोद भारती के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में भी न्यायालय ने प्रमोद को दोषी पाया है। उसे सात माह का कारावास, एक हजार रुपये के अर्थदंड तथा अर्थदंड अदा न करने पर एक माह के अतिरिक्त साधारण कारावास से दंडित किया है। उधर पिपरी थाना पुलिस ने सिनेमा हाल मंशा मंदिर के पीछे चाचा कालोनी निवासी विशाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई करते हुए विशाल को दोषी पाया। उसे छह माह का कारावास की सजा सुनाई है। एक हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड न जमा करने पर एक माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई है।

आकाशीय बिजली से दो सगे भाइयों की मौत

अनपरा (सोनभद्र)। भाठ क्षेत्र खुजुरा गांव में सोमवार की शाम आंधी-पानी के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो सगे भाई गंभीर रूप से

झुलस गए। पुलिस दोनों को डिबुलगंज चिकित्सालय ले गई, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। इस घटना से स्वजन में अफरातफरी मच गई। दोनों भाइयों के एक-एक पुत्र हैं। मौके पर पहुंचे अनपरा थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय ने दोनों शवों को कब्जे मे लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। खुजुरा गांव निवासी सगे भाई सतीश (27) व अमित कुमार (25) सोमवार की शाम खेत पर काम करने गए थे। वहां से दोनों काम करके लौट रहे थे, इसी दौरान अचानक आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इस पर दोनों भाई गांव में ही स्थित एक शौचालय के पास रूक गए। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी, दोनों उसकी चपेट में आ गए। आसपास में मौजूद लोगों ने दोनों भाइयों को झुलसी हुई अवस्था में अचेत देखा तो पास में ही गश्त कर रही 112 नंबर पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों भाइयों को लेकर डिबुलगंज चिकित्सालय पहुंची। वहां दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय पहुंच गए। उन्होंने घटना की विस्तृत जानकारी ली। इस घटना की जानकारी तहसील प्रशासन को भी दी गई है।

गैंगस्टर की आठ करोड़ की संपत्ति जब्त

करमा (सोनभद्र)। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध निहाल बिंद पुत्र रामधनी बिंद की आठ करोड़ छह लाख 76 हजार रुपये की संपत्ति सोमवार को जब्त कर लिया। करमा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि विषहार गांव निवासी निहाल बिंद पर हत्या, साजिश समेत गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। उसने अपराध कर अवैध रूप से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की थी। अवैध धन से क्रय की गई संपत्ति जिसमें 13 दुकानें, खेत व मकान हैं को जब्त कर लिया गया है।

छह वाहनों का चालान, हुई जांच

सोनभद्र। अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने सोमवार को कई वाहनों की जांच की। दोपहर में बढ़ौली चौक पर कांशीराम पुलिस चौकी इंचार्ज बृजेश दुबे ने फ़ोर्स के साथ वाहनों की जांच की। इसके बाद रेलवे स्टेशन, विकास नगर, बस स्टैंड, हाइडिल मैदान, मंडी समिति, सदर तहसील परिसर आदि स्थानों पर फ़ोर्स के साथ धमक पड़े। अचानक वाहनों व संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ होने से अफरातफरी मच गई। वाहन चेकिंग होता देख चालक रास्ता बदल कर निकलने में ही अपनी भलाई समझी। उधर मधुपुर बाजार में यातायात पुलिस ने छह मोटरसाइकिल का चालान कर दिया। यातायात प्रभारी संजय सिंह ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को चेतावनी भी दी।

दस फीट गड्ढे में गिरने से हाथी की मौत....

मीरजापुर। जिगना के बघेड़ा खुर्द गांव के मजरा मिसिरपटटी में शौचालय की टंकी बनाने के लिए खोदे गए गड्ढे में सोमवार की दोपहर हाथी की गिरने से मौत हो गई। उसपर सवार महावत व दो बच्चे दूर गिरकर घायल हो गए। क्षेत्र के बघेडाकला निवासी रमेश तिवारी व विनोद कुमार तिवारी की हाथी को महावत पिंटू लेकर पड़ोस के गांव बघेडाखुर्द के मिसिरपटटी में गया था। हाथी पर दस वर्षीय शिवा व आठ वर्षीय रितेश को बैठा कर घुमा रहा था। दिनेश कुमार के मकान के सामने शौचालय की टंकी के लिए खोदे गए गड्ढे के ऊपर रखी पटिया पर हाथी का पैर पड़ते ही टूट गई। इसके बाद हाथी दोनों पैर सहित मुंह के बल 10 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। इससे हाथी पर सवार महावत व दोनों बच्चे दूर गिरकर घायल हो गए। हाथी के शौचालय के गड्ढे में गिरने की सूचना पर देखने वालों की भीड लग गई। जेसीबी की मदद से हाथी को लगभग साढे. चार बजे शाम बाहर निकाला गया जो मृत था। हाथी की मौत से उसके मालिक के घर कोहराम मच गया। उसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये से अधिक है।

दो बाइकों को चोरों ने उड़ाया, मुकदमा दर्ज.....

कछवां। क्षेत्र के मितई व जमालपुर गांव से मांगलिक कार्यकम के दौरान दो बाइक को चोरों ने उड़ा दिया। थाना प्रभारी रामस्वरूप वर्मा ने दोनों घटनाओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वाराणसी के रोहनिया मीरजामुराद थाना अंतर्गत मनियारी गांव के राजू राय मितई गांव में तीन मई को बरात में शामिल होने के लिए आए थे। यहां से उनकी बाइक चोरी हो गई। इसी तरह चील्ह के लखनपुर गांव के रहने वाले अजीत यादव क्षेत्र के जलालपुर में शादी में शामिल होने के लिए आए थे, उनकी भी बाइक चोरी हो गई। मडिहान : स्थानीय थाना के सामने सोमवार को इंस्पेक्टर शैलेश

कुमार राय की अगुवाई में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 25000 की वसूली करते हुए 30 वाहनों का चालान किया गया। इसमें 18 चार पहिया और 12 दोपहिया वाहन शामिल है।

आशुतोष व सुमित कुमार सब उपनिरीक्षक बन किया नाम रोशन

जमालपुर (मीरजापुर)। पुलिस उपनिरीक्षक की परीक्षा में क्षेत्र के भदावल गांव के आशुतोष कुमार एवं बनौली के सुमित कुमार सिंह ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पुलिस उपनिरीक्षक के पद पर चयनित भदावल गांव निवासी आशुतोष के पिता रविंद्र कुमार सिंह किसान एवं मां बृजबाला देवी गृहिणी हैं। इसी तरह बनौली के एसआइ के पद पर चयनित सुमित कुमार सिंह के पिता रमेश सिंह किसान हैं एवं उनकी मां मंद्रिका देवी गृहिणी हैं। पूर्व ब्लाक प्रमुख आनंद सिंह बंटू, अश्वनी कुमार सिंह, झारखंडे सिंह, विनोद सिंह, सुजीत सिंह, पुनीत सिंह, तेजबहादुर सिंह आदि ने हर्ष जताया है।

वार्डो में कैंप लगाकर होगा पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों का सर्वे

मीरजापुर। पीएम स्वनिधि से समृद्धि योजना के तहत नगर पालिका परिषद की ओर से कराए जा रहे सर्वे की प्रगति रिपोर्ट को लेकर अपरजिलाधिकारी शिवप्रताप शुक्ल की ओर से सोमवार शाम को कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक की गई। एडीएम ने धीमी गति से सर्वे होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने पालिका कर्मियों को निर्देश दिया कि वार्डवार कैंप लगाकर लाभाथिच्यों की डाटा फीडिंग कराएं। कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित वार्डों में योजना के संबंध में प्रचार-प्रसार कराएं ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों का रेजिस्ट्रेशन किया जा सके।शासन की ओर से पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों को आठ योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सर्वे करवाया जा रहा है। इसमें पालिका की ओर से 4043 लाभाथिच्यों का सर्वे किया जाना है, लेकिन अभी तक मात्र 1330 लाभार्थियों का सर्वे हो पाया हैं।

आसमान में छाए बादल गर्मी से मिली कुछ राहत

सोनभद्र। पूरे जिले में सोमवार की सुबह से दोपहर तक तेज धूप रही। इससे लोग गर्मी से हलकान रहे। दोपहर दो बजे के बाद बादल छाए तो गर्मी से कुछ राहत मिली।

कई क्षेत्रों में बूदांबांदी व तेज हवा चली। इसके बावजूद उमस बरकरार रही। सोमवार को पारा घटकर 43.4 डिग्री पर आ गया। रविवार को 44.6 डिग्री सेल्सियस पर था। पारा गिरने से राबर्ट्सगंज बाजार में खरीदारों की चहल-पहल बढ़ गई। एक सप्ताह से विरान सड़कों पर भी वाहनों की संख्या बढ़ गई। सूरज के बादलों में छुप जाने से मौसम ने एक बार फिर करवट बदला है। इस कारण राबर्ट्सगंज, नवीन मंडी, लोढ़ी, बढ़ौली, रामलीला मैदान क्षेत्र, मधुपुर, घोरावल, सुकृत, अनपरा, चोपन, सिंगरौली, दुद्घी के मुख्य मार्गों पर भी दोपहर बाद छोटे-बड़े वाहन चलते दिखे। एक पखवारा पहले आंधी पानी के आने से दो-तीन दिनों तक गर्मी से राहत थी, लेकिन पिछले एक पखवारे से भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित हो गया था। मौसम का मिजाज बदलते ही सड़क किराने ठेले पर फल, खीरा, ककड़ी, मैगो सेक, गोलगप्पे, चाट, चाऊमीन आदि बेचने वालों की संख्या बढ़ गई और खरीदार भी दिखने लगे। घोरावल : जून में पहली बार बरसात व आंधी ने हलचल मचा दिया। कई स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ धराशाई हो गए तो कहीं पर बिजली के खंभे गिरे। घोरावल तहसील क्षेत्र के अतरौली, महुआंव पांडेय, महुआंव गोसाईं, कुसी निस्फ, मुसरधारा सहित कई गांवों में तेज आंधी से पेड़ धराशाई हो गए। कुछ लोगों के कच्चे घरो पर नुकसान हुआ। वहीं तेज हवा के साथ बरसात भी हुई। स्थानीय तहसील क्षेत्र के गुरेठ गांव के मुख्य सड़क पर हाई वोल्टेज तार और खंभे तेज आंधी चलने से गिर पड़े। सोमवार को अचानक मौसम के बदलने से आंधी और पानी के बीच विद्युत खंभे ट्रांसफार्मर समेत गिर पड़े। सड़क पर तार और खंभे गिरे पड़े रहे। जिससे कुछ देर के लिए आवागमन भी बाधित रहा।

अवैध खन्न परिवहन में नौ वाहन स्वामी व चालक के खिलाफ मुकदमा दज

सोनभद्र। बड़गवां गांव में सोन नदी के किनारे अवैध खनन व परिवहन के आरोप में अज्ञान नौ वाहन स्वामी व चालकों के खिलाफ सोमवार को मुकदमा दर्ज किया है। जुगैल थाना पुलिस ने यह मुकदमा खनन निरीक्षक ईश्वर चंद्र की तहरीर पर दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने अवैध खनन में संलिप्तता पाए जाने पर थाने के दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही इसकी जांच क्षेत्राधिकारी ओबरा को सौंपी है। ओबरा तहसील प्रशासन को कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि जुगैल थाना क्षेत्र में सोन नदी के किनारे बड़गवां गांव में बालू का अवैध खनन व परिवहन जोरों पर हो रहा है। इस पर प्रशासन ने टीम बनाकर शनिवार की देर रात छापेमारी की तो मौके पर अफरातफरी मच गई थी। एसडीएम ओबरा रमेश कुमार की अगुवाई में मौके पर पहुंची टीम को देख अवैध खनन करने वालों के साथ ही वाहनों के चालक फरार हो गए। इस दौरान टीम ने बालू लदे नौ टीपर को सीज कर दिया था और उन्हें जुगैल थाना में खड़ा करा दिया था। इसके बाद खनन व परिवहन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। दोनों विभागों की टीम ने वहां जांच की थी। सोमवार को खनन निरीक्षक ईश्वर चंद्र ने

जुगैल थाने में तहरीर दी। लिखा कि मौके पर छह टीपरों पर बालू लदा हुआ पाया गया जबकि तीन वाहन खाली पाए गए। सभी के चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए थे। जहां खनन हो रहा था वहां कोई खनन पट्टा स्वीकृत नहीं है। इस पर पुलिस ने नौ वाहनों के चालकों व स्वामियों के साथ ही अवैध खनन व परिवहन में लिप्त व्यक्ति के खिलाफ विभिनन्धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस अवैध खनन व परिवहन में जुगैल थाना के दो सिपाहियों की प्राथमिक तौर पर संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें लाइन हाजिर कर दिया है। एसपी ने बताया कि दोनों सिपाहियों के मामले की जांच सीओ ओबरा को सौंपी गई है। उनकी रिपोर्ट पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

वृद्ध ने फांसी लगाकर दी जान

कोन (सोनभद्र)। ग्राम पंचायत बागेसोती के जउवाजोत टोला निवासी बृक्ष उरांव (65) ने फांसी

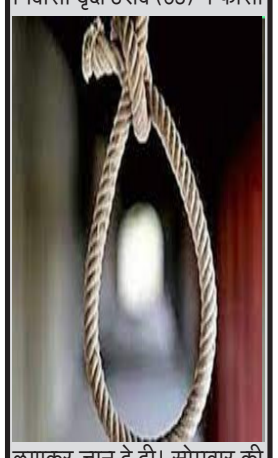

लगाकर जान दे दी। सोमवार की सुबह उसका शव उसके घर से कुछ दूर जंगल में पेड़ से लटकता मिला। सूचना पर स्वजन के साथ भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन स्वजन ने बीमारी का हवाला देकर शव पुलिस को देने से इन्कार कर दिया। क्षेत्रीय लोगों के हस्तक्षेप पर पुलिस ने शव स्वजन को सौंप दिया। वृक्ष उरांव लंबे समय से चर्म रोग से पीडित थे।

ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायकों की होगी आनलाइन हाजिरी

सोनभद्र। पंचायत राज विभाग की ओर से ग्राम पंचायत सचिवालयों में तैनात किये गए पंचायत सहायकों की आनलाइन हाजिरी होगी। इसके लिए विभाग की ओर से पोटल/मोबाइल एप्लीकेशन तैयार किया गया है। इसी पोर्टल के माध्यम से

पंचायत सहायकों को अपनी उपस्थिति आनलाइन करनी होगी। जो सहायक आनलाइन उपस्थिति नहीं दर्ज कराएंगे उन्हें अनुपस्थित मानकर विभागीय स्तर पर मानदेय रोकने की कार्रवाई की जाएगी। ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिवालय स्थापित किये गए हैं ताकि एक ही छत के नीचे गांव स्तर की सभी समस्याओं का त्वरित निस्तारण आसानी से हो सके। ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिल सके। कुटुंब रजिस्टर की नकल से लेकर जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य जरूरी कागजात प्राप्त करने में ग्रामीणों को कोई परेशानी न हो। इसके लिए इन सचिवालयों में शासन ने पंचायत सहायकों की तैनाती की है। यह सहायक ग्राम पंचायत के प्रधान व सचिव की निगरानी में ग्राम पंचायत का कार्य करेंगे। उनकी नियमित उपस्थिति के लिए सरकार ने आनलाइन हाजिरी की व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके लिए सहायकों को पंजीकृत नंबर पर गुगल प्ले से मोबाइल एप डाउनलोड करना होगा। पोर्टल पर काम करने के लिए सहायकों को यूजर आइडी व पासवर्ड पहले ही दिया जा चुका है। उनके हाजिरी की निगरानी जिला परियोजना प्रबंधक करेंगे। जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह का कहना है कि सभी ब्लाकों के एडीओ पंचायत के साथ ही जिला परियोजना प्रबंधक को इसको लेकर निर्देश जारी किया गया है। जिन सहायकों की आनलाइन हाजिरी प्राप्त नहीं होगी, उनके खिलफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि जिले में 64 ऐसी ग्राम पंचायतें है जहां किसी भी कंपनी का नेटवर्क नहीं है। इससे इन क्षेत्रों में तैनात पंचायत सहायकों की आनलाइन हाजिरी नहीं हो सकेगी। ऐसे में इन सहायकों के लिए हाजिरी की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए पंचायत राज निदेशक से भी वार्ता हुई है। जल्द ही इस पर नया आदेश प्राप्त होगा, जिस पर अमल किया जाएगा।

टेबल टेनिस ट्रायल में जिले के तीन खिलाड़ी चयनित

सोनभद्र। जिला स्तरीय टेबल टेनिस ट्रायल का आयोजन रविवार को रेणुकूट स्थित हिंडाल्को स्पोर्ट्स क्लब में किया गया। ट्रायल में जनपद के कई प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। चयन प्रक्रिया में राबर्ट्सगंज सीएफसी क्लब के तीन बच्चों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए विभिनन्आयुवर्गों में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। शौर्य प्रताप सिंह अंडर 15 आयुवर्ग में, निहारिका गुप्ता ने वूमेंस ग्रुप में व मेंस ग्रुप में उद्भव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित किया सोनभद्र की चयनित टीम सुल्तानपुर में तीन से पांच जुलाई तक होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने प्रतिद्वंदी खिलाडियों को टक्कर देंगे। चयन प्रतियोगिता में शिवम विश्वकर्मा, आकाश सिंह, आशु विश्वकर्मा, अब्दुल्ला खान, ऋत्विक विश्वकर्मा, आशुतोष तिवारी एवं अर्जुन अजय सिंह का भी चयन हुआ। टेबल टेनिस फेडरेशन के सेक्रेटरी आलोक तिवारी ने बताया कि खेलो इंडिया खेलो के तहत बच्चों के लिए सीएफसी क्लब द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। इस मौके पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता, नीरज द्विवेदी आदि रहे।

कोन, कचनरवा सबस्टेशन से दिन भर में मिली महज 30 मिनट बिजली.....

कोन (करमा)। जिले के विभिनन् क्षेत्रों में बेतहाशा विद्युत कटौती हो रही है। कुछ देर के लिए शुरू हुई रोस्टरिंग का समय बढ़ जाने से दिन भर लोगों को बिजली नहीं मिली। हालत यह हुई कि कोन व

कचरनवा उपकेंद्र के उपभोक्ताओं को सोमवार को दिन भर में महज 30 मिनट ही बिजली मिली। इससे उपभोक्ताओं में असंतोष है। दोनों केंद्रों पर रोस्टरिंग का समय भोर 4:55 बजे से लेकर 11:30 तक जारी कर दिया गया। फिर उसे बढ़ाकर दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक किया गया। ऐसे में उमस भरी गर्मी में जहां बच्चे व बूढे मरीज परेशान हो गए हैं, वही ग्रामीणों को पेयजल की भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। यही नही रात्रि में भी दो-दो घंटे की कटौती जारी है। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से बिजली बिल की तरह आपूर्ति पर भी ध्यान देने की मांग की है। उधर करमा बाजार में तीन दिनों से जला ट्रांसफार्मर अब तक नहीं बन सका है। इससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप है। लोगों को पानी के संकट से भी जूझना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने विभागीय पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज करा दिया लेकिन अभी तक टांसफार्मर नहीं बदला गया। क्षेत्र के अर्जुन त्रिपाठी ने बताया कि तीन दिनों से जेई का फोन बंद है। एसडीओ के सरकारी नंबर पर शिकायत का मैसेज भेज दिया गया है। इसके बावजूद अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग की है।

शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं, प्रदर्शन

सोनभद्र। पांच सूत्रीय मांग को लेकर सोमवार को प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने विकास भवन पर प्रदर्शन किया। कहा कि अगर मांगे पूरी नहीं की जाएगी तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। प्रधान संघ जिलाध्यक्ष श्यामानंद ने बताया कि प्रधान व बीडीसी संघ अपने मांग को लेकर आवाज उठा चुका है। हर बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है जिसके विरोध में यह प्रदर्शन किया गया है। बताया कि हम लोगों का भत्ता व अन्य जरूरी योजनाओं का पैसा समय से नहीं मिल रहा है। शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। गांव में काम नहीं आ रहा है, जिसके कारण मनरेगा मजदूर बेकार बैठे हुए हैं। आरोप लगाते हुए कहा कि जब हक की आवाज बुलंद की जाती है तो अधिकारियों

द्वारा जांच के नाम पर डराया जाता है। कहा कि ग्राम प्रधान व बीडीसी अब अपने हक के लिए आरपार की लड़ाई के लिए तैयार हैं। शांतिपूर्ण ढंग से यह आंदोलन चलता रहेगा, जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती। इस मौके पर पवन शुक्ल, रामसेवक पटेल, सूरज गुप्ता, रामलाल, राजनाथ यादव, राजू शर्मा, विक्रम सिंह आदि रहे।

आज के प्लेइंग इलेवन में हो सकते हैं दो बदलाव, पूर्व बल्लेबाजी कोच का द्रविड़ को सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ आज शाम टी20 सीरीज के तीसरे

मुकाबले में खेलना है। इस मैच में टीम इंडिया के लिए जीत हार हाल में जरूरी है। मेहमान टीम ने लगातार दो मुकाबले जीतकर सीरीज में इस वक्त 2-0 की बढ़त बना रखी है और तीसरा मैच जीतने के साथ ही सीरीज पर उनका कब्जा हो जाएगा। भारत के लिए पांच मैचों की टी20 सीरीज को बचाने का आखिरी मौका आज होगा। विशाखापत्तनम टी20 में टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी चर्चा की जा रही है। तमाम दिग्गज अपने अपनी क्रिकेट की समझ से कोच राहुल द्रविड़ को सुझाव देते नजर आ रहे हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने भी दो बदलाव के साथ टीम को आखिरी टी20 में उतरने का सुझाव दिया है। बांगर ने गेंदबाजी में दो बदलाव का सुझाव दिया है। शुरुआती दोनों टी20 में विकेट लेने में नाकाम रहे आवेश खान की जगह पर वह अर्शदीप को मौका देने की बात कर रहे हैं। बांगर ने कहा, ठहमारे पास पहले 6 ओवर के लिए काफी सारे विकल्प हैं। हम अर्शदीप सिंह को आवेश खान की जगह पर आजमा सकते हैं। वहीं युवा स्पिनर रवि बिशनेई को भी बागर ने मौका देने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा, ठअक्षर पटेल की जगह पर कौन खेल सकता है ? एक विकल्प जो हो सकता है वो रवि बिशनेई होंगे। अगर जो दो कलाई के स्पिनर टीम में खेलते हैं तो बीच के ओवर में भारतीय टीम को वो विकेट निकालकर दे सकते हैं। वो जो विरोधी टीम के बल्लेबाजों की लय है इसको तोड़ने में कामयाब हो सकते हैं।

राहुल द्रविड़ की टीम के पास आखिरी मौका, प्लेइंग इलेवन में बनेगी नए खिलाडियों की जगह

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज के आज तीसरा मुकाबला खेला जाना है। यह सीरीज में बने रहने के लिए भारत के लिहाज से

करो या मरो का मुकाबला है। लगातार दो मैच जीतकर साउथ अफ्रीका ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना रखी है। राहुल द्रविड़ की कोचिंग में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी लेकिन अब तक वो रंग नजर नहीं आया। पूर्व दिग्गज भी उनको सख्त फैसले लेने की सलाह दे रहे हैं विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका का इरादा जीत की हैट्रिक के साथ सीरीज पर कब्जा जमाने का होगा। वहीं टीम इंडिया आज के मैच में किसी भी तरह से जीत हासिल कर सीरीज में बने रहना चाहेगी। इस मैच में टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। उम्मीद जताई जा रही है कि कोच द्रविड़ स्पीड स्टार उमरान या अर्शदीप को मौका दे सकते हैं। स्पिनर रवि बिशनेई को भी आज के प्लेइंग इलेवन में मौका दिया जा सकता है। भारतीय टीम की बल्लेबाज इस वक्त मौजूदा स्ट्रेंथ के मुकाबिक सही नजर आ रही है। इशान किशन और रितुराज गायकवाड़ पारी की शुरुआत करेंगे। श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत और हार्दिक मिडिल आर्डर में जबकि निकले क्रम में दिनेश कार्तिक और अक्षर पटेल होंगे। कोच द्रविड़ को इस अहम मुकाबले में रिस्क उठाने की बात दिग्गज कह चुके हैं। आवेश खान की जगह पर अर्शदीप या फिर उमरान मलिक को प्लेइंग इलेवन में लाया जा सकता है। भुवनेश्वर कुमार कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं तो हर्षल के पास टी20 में गेंदबाजी का खासा अनुभव हो चुका है। स्पिनर में युजवेंद्र चहल और अक्षर हैं जिन्हें इस अहम मैच में बेहतर करना होगा। ईशान किशन, रितुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक, अक्षर पटेल, हर्षल पटेल, भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल और आवेश खान या उमरान/ अर्शदीप

एम एस धौनी ने पाली अब बकरियां

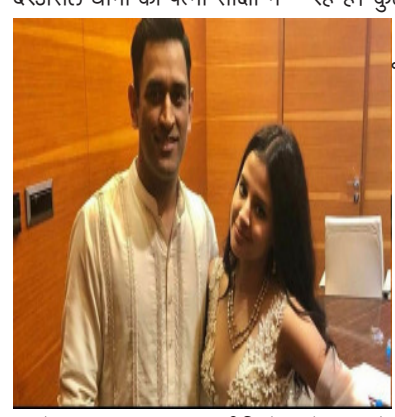

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को गाडि़यों, बाइक के साथ-साथ जानवर पालने का भी काफी शौक है। धौनी ने रांची स्थित अपने फार्म हाउस में घोड़े व कुत्ते पहले से ही पाल रखे हैं, लेकिन अब वहां पर बकरियों की भी एंट्री हो चुकी है। दरअसल धौनी की पत्नी साक्षी ने

अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है जिसमें दो बेहद खूबसूरत बकरियां नजर आ रही हैं जो मजे से घास खा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो धौनी ने एक साल पहले इन बकरी के बच्चों को गुजरात से लाए थे, लेकिन इन्हें पहले उनके फार्म हाउस में नहीं रखा था। इन्हें बड़े होने के बाद यहां पर शिफ्ट किया गया है। वैसे धौनी के फार्म हाउस पर जानवरों के अलावा तोते भी मौजूद हैं। धौनी के घर पर इन नए मेहमानों को देखकर क्रिकेट फैंस बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं और साक्षी धौनी द्वारा शेयर किए गए वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट्स भी किए जा रहे हैं। कुछ क्रिकेट फैंस ने धौनी को ही [illegible]ग्स) बता दिया। आपको बता दें कि भारत को लिए दो वर्ल्ड कप खिताब जीतने वाले एम एस धौनी अब इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हो चुके हैं तो वहीं वो आइपीएल में लगातार नजर आ रहे हैं। साल 2022 में उन्होंने सीएसके टीम की कप्तानी छोड़ दी थी, लेकिन बाद में टीम ही हालत खराब होने के बाद वो फिर से टीम के कप्तान बने पर कुछ खास फायदा नहीं हुआ। इस सीजन में फिर से सीएसके प्लेआफ तक पहुंचने से चूक गई। इस टीम को 14 मैचों में से 4 में जीत मिली थी जबकि 10 मैचों में हार मिली थी और 8 अंक के साथ ये टीम नौवें नंबर पर रही।

बीसीसीआइ पर रुपयों की वर्षा आज होगी IPL पैकेज के विजेताओं के नाम की घोषणा

नई दिल्ली। आइपीएल के टीवी और डिजिटल अधिकारों के जरिये बीसीसीआइ (ँण्ण्घ) को अब तक 46000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हो चुकी है, जिससे खेल जगत में यह सबसे अमीर लीग में से एक हो जाएगी। अब तक मिली सूचना के अनुसार 2023 से 2027 के बीच 410 आइपीएल मैचों के लिए पैकेज-ए में भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी अधिकार 23575 करोड़ रुपये में बिके हैं यानी प्रति मैच का मूल्य 57.5 करोड़ रुपये होगा। पैकेज-बी यानी भारतीय उपमहाद्वीप के लिए डिजिटल अधिकार 50 करोड़ रुपये प्रति मैच में बिके हैं, जिसे बोली लगाने वाले एक पक्ष ने पैकेज-ए पाने वाले की चुनौती का सामना करके खरीदा। पैकेज-बी से 20500 करोड़ रुपये मिले हैं यानी दो पैकेज बेचने के बाद बीसीसीआइ की झोली में 44075 करोड़ रुपये आ गए हैं। दूसरे दिन नीलामी रुकने तक पैकेज-सी के लिए 2000 करोड़ रुपये की बोली लग चुकी थी। अब तीसरे दिन इसके आगे से बोली लगेगी। इस तरह बोर्ड को अब तक 46000 करोड़ रुपये की कमाई हो चुकी है जो 2018 में मिले

16347 करोड़ रुपये से ढाई गुना से ज्यादा है। बीसीसीआइ को जहां इस नीलामी से ज्यादा कमाई होगी तो वहीं उसने भारत के पूर्व क्रिकेटर और पूर्व अंपायरों की पेंशन बढ़ाने का फैसला भी किया है। टीवी के लिए आधार मूल्य 49 करोड़ रुपये और डिजिटल अधिकारों के लिए 33 करोड़ रुपये था। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा, 'डिजिटल अधिकारों के लिए प्रति मैच 50 करोड़ रुपये मिलना बड़ी बात है। दूसरे दिन की नीलामी शाम छह बजे खत्म हुई और हम अभी पैकेज-सी पर हैं, जिसमें पांच साल के लिए 98 मैचों के नान एक्सक्लूसिव डिजिटल अधिकार शामिल हैं। इसके बाद पैकेज-डी आएगा, जो विदेशी टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिए है।' 107.5 करोड़ रुपये प्रति मैच की संयुक्त राशि ने आइपीएल को दुनिया की सबसे महंगी लीगों की सूची में ला खड़ा किया है। सूत्रों ने बताया कि दो अलग-अलग मीडिया कंपनियों ने टीवी और डिजिटल मीडिया अधिकार हासिल किए हैं। इन कंपनियों के नामों के बारे में अभी आधिकारिक रूप से पता नहीं चल पाया है। आइपीएल पैकेज के विजेताओं के नामों की घोषणा नीलामी की प्रक्रिया खत्म होने से पहले नहीं कर सकती है। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि टीवी अधिकार स्टार डिजने दोबारा से अपने पास रखने में सफल रहा है, जबकि डिजिटल अधिकार रिलायंस की हिस्सेदारी वाली वायकाम-18 ने हासिल किए हैं।

39 साल के जेम्स एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 650 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली। 39 साल के जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में एक ऐसा खास मुकाम हासिल किया जो किसी भी तेज गेंदबाज ने अब तक नहीं किया था। इंग्लैंड के बेहद अनुभवी इस तेज गेंदबाज ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध दूसरे टेस्ट मैच के दौरान क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में अपने 650 विकेट पूरे कर लिए। एंडरसन अब दुनिया के ऐसे पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे पहले 650 विकेट के आंकड़े को छूने का कमाल किया न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में एंडरसन ने 27 ओवर में 62 रन देकर 3 विकेट लिए थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने (खबर लिखे जाने तक) एक सफलता हासिल की थी। इन विकेटों की मदद से उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने विकेट के आंकड़े को 650 तक पहुंचा दिया। यही नहीं एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे स्थान पर मौजूद है तो वहीं बतौर तेज गेंदबाज वो इस फार्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है। इसके अलावा इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में वो सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

रिषभ पंत की कप्तानी में संघर्ष कर रही है टीम इंडिया

विशाखापत्तनम। पहले दोनों मैच गंवाने के बाद अब करो या मरो की स्थिति में पहुंची भारतीय टीम मंगलवार को यहां जब तीसरे टी-20 मैच में सीरीज जीवंत रखने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी तो खराब फार्म में चल रहे स्पिनरों, सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और स्वयं रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रिषभ पंत पर काफी दबाव होगा। भारत लगातार 12 मैच जीतकर इस सीरीज में उतरा था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम के सामने पहले दो मैचों में उसकी एक नहीं चली। पंत की अगुआई वाली टीम कई विभागों में संघर्ष कर रही है और उसे एक दिन के अंदर इन कमजोरियों को दूर करना होगा। यदि पहले मैच में भारत खराब गेंदबाजी के कारण हारा तो दूसरे मैच में बल्लेबाजों ने निराश किया। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभी तक पावरप्ले में अच्छी शुरुआत देने में नाकाम रहे हैं। इशान किशन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन रुतुराज केवल 23 और एक रन बना पाए हैं। तेज गेंदबाजों के सामने उनकी तकनीक पर सवाल भी उठने लगे हैं। श्रेयस अय्यर ने अच्छी शुरुआत की है, लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं, जिससे आगे के बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है। हार्दिक पांड्या ने पहले मैच में कुछ दर्शनीय शाट लगाए थे, लेकिन कटक के विकेट पर वह भी नहीं चल पाए थे। वह गेंदबाजी में भी नाकाम रहे हैं। केएल राहुल के चोटिल होने के कारण कप्तानी का जिम्मा संभालने वाले पंत अब तक 29 और पांच रन बना पाए हैं। कप्तान के रूप में पंत के फैसलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। दूसरे मैच में अक्षर पटेल को दिनेश कार्तिक से पहले भेजने का निणन्य गलत साबित हुआ था। उनसे एक कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा

रही है। गेंदबाजी में युजवेंद्रा सिंह चहल और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी ने अब तक निराश किया है। डेविड मिलर, रासी वेन डेर डुसेन और हेनरिक क्लासेन जैसे बल्लेबाजों ने उनके खिलाफ आसानी से रन बनाए हैं। तीसरे मैच में इनमें से किसी एक को बाहर किया जा सकता है। टीम प्रबंधन युवा लेग स्पिनर रवि बिशनेई या आलराउंडर वेंकटेश अय्यर को ले सकता है। वेंकटेश आइपीएल में पारी का आगाज भी करते रहे हैं। भुवनेश्वर कुमार को छोड़कर भारतीय गेंदबाज विकेट लेने में असफल रहे हैं। भारतीय गेंदबाज एक या दो ओवरों में रन लुटाकर पहले की गई मेहनत पर पानी फेर दे रहे हैं। अब जबकि सीरीज दांव पर लगी है तब उन्हें हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम प्रबंधन ऐसे में अब तक एक भी विकेट नहीं लेने वाले आवेश खान की जगह तेज गेंदबाज उमरान मलिक या अर्शदीप सिंह को पदार्पण का मौका दे सकता है।दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उसके गेंदबाज विकेट निकाल रहे हैं और बल्लेबाज साझेदारियां निभा रहे हैं। पहले मैच में डेविड मिलर और रासी वेन डेर डुसेन ने कमाल दिखाया तो दूसरे मैच में हेनरिक क्लासेन ने 81 रन की प्रवाहमय पारी खेली। गेंदबाजी में कैगिसो रबादा, एनरिक नोर्त्जे और वायने पार्नेल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत : रिषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्रा सिंह चहल, अक्षर पटेल, रवि बिशनेई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।दक्षिण अफ्रीका : तेंबा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकाक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करैम, डेविड मिलर, लुंगी नगिदी, एनरिक नोर्त्जे, वायने पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबादा, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वेन डेर डुसेन, मार्को जेनसेन। नंबर गेम 2010 में दक्षिण अफ्रीका ने भारत में सीमित ओवर की अपनी पिछली सीरीज हारी थी। तब उसे वनडे सीरीज में 1-2 से हार मिली थी। उसके बाद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत में कोई भी वनडे या टी-20 सीरीज नहीं हारी है।-2 टी-20 सीरीज इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने भारत में खेली हैं, जिसमें से उनसे एक जीती और एक ड्रा रही। यदि दक्षिण अफ्रीका इस मैच को भी जीत जाता है तो वह भारत में अपनी दूसरी द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीतेगा।

भारतीय खिलाडियों को अब राहुल द्रविड़ को लगानी चाहिए डांट

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में मेहमान टीम ने बढ़त बनाई है। लगातार दूसरा मुकाबला भारतीय टीम हारी और 0-2 से सीरीज में पिछड़ गई। पहला मैच 200 रन बनाने के बाद टीम इंडिया हार गई और रविवार को 149 रन का लक्ष्य टीम नहीं बचा पाई। 18.2 ओवर में 6 विकेट गंवाकर टीम ने जीत हासिल कर

बढ़त बनाई। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि अब टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ को सख्त होने की जरूरत है। जहीर बोले, ठजब क्लासेन और बवूमा के बीच वो साझेदारी चल रही थी तब आपको ऐसा महसूस हो रहा था कि भारतीय टीम अब यहां से नीचे की तरफ जा रही है मैच में उबर नहीं पाएगी। मैदान पर यह दिख रहा था। ये वो चीजें हैं जिसे राहुल द्रविड और उनकी टीम को देखने की जरूरत है। इस चीज को जितनी जल्दी हो उतनी जल्दी करना होगा क्योंकि तीसरा मुकाबला एक दिन के बाद ही होना है। उनको एक साथ होकर आना होगा, कुछ कड़ी चर्चा करनी होगी और उनको इस बात पर ध्यान देना होगा कि 40 ओवर के मुकाबले में लड़ने के लिए क्या करना होगा। भुवनेश्वर कुमार ने इस मैच में बेहद शानदार गेंदबाजी करते हुए उम्मीद के मुताबिक टीम को तीन शुरुआती कामयाबी दिलाई। पहला विकेट तो उन्होंने पहले ओवर में हासिल किया था। इसके बाद अपने अगले ओवर में ड्वेन प्रिटोरियस को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। पिछले मैच के हीरो रासी वान डेर डुसेन को भी भुवी ने महज 1 रन पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद भी भारतीय टीम मैच पर पकड़ नहीं बनाए रख पाई। यहां तक कि पहले मुकाबले में भी हमें लग रहा था, भारतीय टीम आगे चल रही है। आज भी आगे दिख रही थी फिर टीम को गेंद के साथ अच्छी आदर्श शुरुआत मिली थी। भुवनेश्वर कुमार ने बहुत ही कमाल थे, लेकिन वह मैच को उस तरह से खत्म नहीं कर पाए। इस सीरीज के आगे बढ़ने के साथ भारतीय टीम के लिए कुछ चिंताएं सामने आ रही है, साथ में दबाव भी बढ़ रहा है।

आईपीएल की कमाई बढ़ने से होगा पूर्व क्रिकेटरों को फायदा

नई दिल्ली। अगले पांच साल यानी 2023 से 2027 तक के लिए आइपीएल के टीवी अधिकार 57.5 करोड़ रुपये प्रति मैच और डिजिटल अधिकार 50 करोड़ रुपये प्रति मैच में बिके हैं। इस तरह 107.5 करोड़ रुपये प्रति मैच की संयुक्त राशि के साथ आइपीएल दुनिया की सबसे महंगी लीगों की सूची में शामिल हो गई है। आइपीएल की कमाई बढ़ने से बीसीसीआइ के कोष में भी वृद्धि होगी और इसका फायदा पूर्व और मौजूदा भारतीय क्रिकेटरों और बीसीसीआइ से जुड़े अन्य व्यक्तियों को होग बीसीसीआइ ने यह फायदा पहुंचाने की शुरुआत भी कर दी है और अपने पूर्व क्रिकेटरों और पूर्व अंपायरों की पेंशन को बढ़ाने का फैसला किया है। बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, 'यह बेहद जरूरी है कि हम अपने पूर्व क्रिकेटरों की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखें। खिलाड़ी बोर्ड के लिए जीवन रेखा की तरह हैं और बोर्ड के तौर पर यह हमारी जिम्मेदारी है कि खेल से संन्यास के बाद हम उनका ध्यान रखें। अंपायर गुमनाम नायकों की तरह हैं और बीसीसीआइ उनके योगदान को समझता है।' आइपीएल मीडिया अधिकारों की नीलामी के दूसरे दिन तक बीसीसीआइ करीब 46000 करोड़ रुपये की कमाई कर चुका है। इस कमाई का फायदा पहुंचाने के लिए बीसीसीआइ ने अपने पूर्व महिला व पुरुष क्रिकेटरों और पूर्व अंपायरों की मासिक पेंशन में बढ़ोतरी की घोषणा की है। प्रथम श्रेणी के खिलाड़ियों में जिन्हें पहले 15,000 रुपये मिलते थे, उन्हें अब 30,000 रुपये मिलेंगे, जबकि 37,500 रुपये

पाने वाले पूर्व टेस्ट खिलाड़ियों को अब 60,000 रुपये और 50,000 रुपये पेंशन वालों को 70,000 रुपये मिलेंगे। अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी, जिन्हें अब तक 30,000 रुपये मिलते थे उन्हें अब से 52,500 रुपये मिलेंगे। इसके अलावा 2003 से पहले संन्यास लेने और 22,500 रुपये पाने वाले प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को पेंशन के तौर पर अब 45,000 रुपये मिलेंगे। आइपीएल से होने वाली कमाई का फायदा भविष्य में खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं और जरूरतों पर भी किया जा सकता है।

राशिफल

मेष-:अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए निजी संबंधों का इस्तेमाल करना आपके जीवनसाथी को नाराज कर सकता है. ख़र्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें और ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें।

वृष-:आज कोई अच्छी जानकारी मिलने वाली है. आज आपको मिलने वाले अवसरों के लिए खुद को तैयार करें। आपकी महत्वाकांक्षाएं आज चरम पर होंगी।

मिथुन-:अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें और फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम करें. खर्चों में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही आय में वृद्धि से संतुलन बनेगा।

कर्क-:आज का दिन व्यस्त रहेगा। बेहतर होगा कि अपने प्रोजेक्ट का काम समय पर पूरा कर लें। जीवनसाथी के साथ आज आपका समय शांतिपूर्ण रहने वाला है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा।

सिंह-:मित्र के साथ गलतफहमी अप्रिय स्थिति पैदा कर सकती है, किसी भी निणन्य पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण से जांच लें. अधिक खर्च और चतुर वित्तीय योजनाओं से बचें।

कन्या-:आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है. आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा जिससे आप सफलता की ओर तेजी से बढ़ेंगे। ऐसी सभी चीजों से दूर रहें जो आपकी प्रगति में बाधक हैं।

तुला-:आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है. आप जिन लोगों के साथ रहते हैं, वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी किया हो। आपके काम में रुकावट आ सकती है

वृश्चिक-:आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है. आज मन को व्यर्थ के विचारों में न भटकने दें। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके घर से शादी की बात शुरू हो सकती है।

धनु-:उदास और उदास न हों. आपके लिए आकर्षक निवेश योजनाओं के बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें, कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें। दोस्त और परिवार आपको प्यार और सहयोग देंगे।

मकर-:आज आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी और दुखी कर सकता है. दूसरों के सुख-दुःख बांटने की आदत विकसित करें। पिता के साथ तनाव दूर करने के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ-:धैर्य रखें, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको अवश्य ही सफलता दिलाएंगे. यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

मीन-:आज का दिन यादगार रहने वाला है. एक समूह गतिविधि का नेतृत्व करेंगे। परिवार से जुड़ी परेशानियां आज खत्म होंगी। आप भी दूसरों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सम्पादकीय

आस्थाओं पर स्वस्थ संवाद के बंद होते दरवाजे ईशनिंदा कानून नहीं मर्यादा में रहकर बात करना सीखने की जरूरत

भारत में आस्थाओं पर स्वस्थ संवाद की परंपरा बहुत पुरानी और सम्मान्य रही है। ईसा से पांच सौ वर्ष पूर्व बौद्ध और जैन धर्मों के निरीश्वरवादी आचार्य सदियों से चले आ रहे ईश्वरवाद और उससे जुड़े दर्शनों को अपने प्रखर तर्कों से चुनौती दे रहे थे तो नितांत भौतिकवादी लोकायत या चार्वाक दर्शन के आचार्य बृहस्पति बौद्ध और जैन धर्मों को चुनौती दे रहे थे। उस युग के किसी धर्म या दर्शन का कोई ऐसा बड़ा ग्रंथ नहीं मिलेगा, जिसमें दूसरे दर्शनों की बातें न रखी गई हों। ये बातें उन इतिहासकारों की धारणा का खंडन करती हैं, जो प्राचीन भारत में धार्मिक असहिष्णुता खोजने का प्रयास करते हैं। यह परंपरा भारत में नए पंथों के आगमन और विदेशी आक्रमणों के बावजूद जारी रही। अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फजल ने लिखा है कि 1578 में इबादतखाने में हुए दार्शनिक सम्मेलन में चार्वाक दर्शन के आचार्यों ने भी भाग लिया था। अफसोस की बात है कि शिक्षा और विकास के इस युग में आस्थाओं पर संवाद की परंपरा फलने-फूलने के बजाय उसका अस्तित्व ही खतरे में दिख रहा है। ज्ञानवापी से मिली सामग्री और भाजपा के दो पूर्व प्रवक्ताओं के बयानों पर उठे बवाल के बाद विश्व हिंदू परिषद ने ईशनिंदा कानून की मांग की है। भारत का अधिकांश मुस्लिम समुदाय पहले से ही ऐसे कानून की मांग करता आया है। तीन तलाक के खिलाफ कानून, स्कूलों में हिजाब पर पाबंदी और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों के साथ इतिहास की बातें मुस्लिम समुदाय को बेचैन कर रही हैं। हालांकि ईशनिंदा कानून का इनसे कोई सीधा संबंध नहीं, फिर भी उसे इसमें सुरक्षा दिखाई देती है। हिंदुओं के एक बड़े वर्ग को लगने लगा है कि जैसी तत्परता दूसरे धर्मावलंबियों की आस्था के बचाव में दिखाई जाती है, वैसी उनकी आस्था के बचाव में नहीं दिखाई जाती। जैसे ज्ञानवापी सर्वेक्षण के बाद से हिंदू देवी-देवताओं को लेकर इंटरनेट मीडिया और चैनलों की बहस के दौरान जिस घटिया दर्जे की टीका-टिप्पणी हो रही है, उससे आस्था को ठेस पहुंचने से अधिक लिखने-बोलने वालों की मानसिकता पर जुगुप्सा होती है, लेकिन इसे रोकने के लिए कोई आवाज नहीं उठ रही। जब एक टीवी चैनल की बहस में सत्तारूढ़ पार्टी की एक प्रवक्ता के तथ्यात्मक तंज पर और दूसरे प्रवक्ता के ट्वीट पर विश्वस्तरीय हंगामा खड़ा हो गया तो हिंदुओं को लग रहा है कि उनकी आस्थाओं की समीक्षा तो सहिष्णु उदारवाद के अभ्यास के रूप में देखी जाती है, लेकिन दूसरे धर्मावलंबियों की आस्थाओं की समीक्षा को सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली धर्मांधता बताकर बवंडर खड़ा कर दिया जाता है। आस्थावान हिंदुओं को सबसे अधिक तीखी आलोचना और व्यंग्य बाण हिंदुओं के ही उस वर्ग से झेलने पड़ रहे हैं, जो यूरोप के ईसाई वर्ग की तरह निरीश्वरवादी और नास्तिक बनता जा रहा है, पर दोनों में एक बुनियादी अंतर यह है कि यूरोप के निरीश्वरवादी-नास्तिक आस्थावान धर्मावलंबियों पर टिप्पणी करते समय मर्यादा का ध्यान रखते हैं। इसके विपरीत भारत में ज्ञानवापी सर्वेक्षण के बाद देखा गया कि निरीश्वरवादी हिंदू वर्ग द्वारा की गई टिप्पणियों ने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। यह स्थिति दूसरे धर्मावलंबियों के साथ-साथ आस्थावान हिंदुओं को भी उस रास्ते पर धकेल रही है, जिससे यह देश हजारों साल से दूर रहता आया है। इस्लामी शासन में करीब छह सौ बरस बिताने के बाद भी भारत ने आस्थाओं पर खुले संवाद की गुंजाइश बनाए रखी और ईशनिंदा कानून की जरूरत महसूस नहीं होने दी। आज हिंदुओं के परस्पर विरोधी वर्गों और दूसरे धर्मावलंबियों के बीच जरा-जरा सी बातों पर चलने वाली अंतहीन बहस और ओछी टिप्पणियों से फैली कड़वाहट की रोकथाम के लिए ईशनिंदा कानून एक आसान उपाय लगता है, पर ऐसा है नहीं। मध्ययुगीन यूरोप, मध्य और पश्चिम एशिया का इतिहास ईशनिंदा के नाम पर लोगों को दी गई भीषण यातनाओं से भरा पड़ा है। बदला निकालने के लिए लोगों को विधर्मी और ईशनिंदक घोषित कर जिंदा जला देना या भीड़-हिंसा में मार डालना आम बात थी। दुनिया के करीब 80 देशों में आज भी ईशनिंदा और धर्मत्याग विरोधी कानून हैं।

बेलगाम होते इंटरनेट मीडिया के खतरे, अब बुद्धि, विवेक और भावना सब को नियंत्रित कर रहा

सभ्यताओं के विकास की कहानी बताती है कि परिवेश में बदलावों की लंबी कड़ी में इंटरनेट मीडिया की सत्ता आज सबसे अधिक महत्व की हो चली है। मानव इतिहास की नवीनतम सर्वव्यापी घटना के रूप में सूचना-संचार का गठन आज कई मानकों का अतिक्रमण कर नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। इस क्रम में ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ने एक बड़ा अध्याय जोड़ा है। इनका दूरगामी प्रभाव पड़ रहा है। मनुष्य के लिए अपनी आत्माभिव्यक्ति और दूसरों के साथ उसे साझा करना एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है। इंटरनेट मीडिया ने इस प्रवृत्ति को एक होड़ में बदल दिया है। आज इंटरनेट मीडिया समाज और सामाजिकता पर हावी हो रहा है। इसका तात्कालिक प्रभाव इतना जबरदस्त होता है कि उसकी गिरफ्त में जो फंसता है, उसे कोई दूसरी राह नहीं सूझती। उलटे उससे जुड़े रहने का चाव और चाहत ऐसे तीव्र और सघन ढंग से बढ़ती जाती है कि ज्यादातर लोगों को समय कम पड़ने लगता है। आज इंटरनेट मीडिया हमारे अस्तित्व के हर निजी और सार्वजनिक पहलू को स्पर्श कर रहा है। सूचना का बढ़ता साम्राज्य हमारे परिवेश में सबसे व्यापक और प्रभावशाली बदलाव साबित हो रहा है। सूचना तो हमेशा ही जरूरी थी और ज्ञान एवं शिक्षा से उसका निकट का रिश्ता भी पुराना था, परंतु उसका दखल इतना बढ़ जाएगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। आज जीवन के हर क्षेत्र में इंटरनेट मीडिया का अनिवार्य

हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। निजता-सार्वजनिकता, दोनों का दायरा बढ़ाते हुए आज सारी चीजें उसी के अधीन होती जा रही हैं। हम हर बात के लिए इंटरनेट मीडिया पर निर्भर हुए जा रहे हैं। नैसर्गिक और वास्तविक दुनिया में बनने वाले मानवीय रिश्तों और उनके बीच आपसी संबंध को स्थगित और विस्थापित कर इंटरनेट मीडिया उनका नया गणित बना रहा है और नई पीढ़ी उसी के हिसाब से चलने को तत्पर है। इंटरनेट मीडिया अब बुद्धि, विवेक और भावना सब को नियंत्रित कर रहा है। प्रेम, घृणा, लोभ, उत्साह, विषाद या द्वेष के भाव हों अथवा किसी क्षेत्र में कुशलता अर्जित करने की चुनौती हो, सबकी और सारी राहें इंटरनेट मीडिया से या उसके पास से होकर गुजरती हैं। इंटरनेट मीडिया अब संदेश का माध्यम मात्र नहीं रहा। वह संदेश का जनक और लक्ष्य भी नहीं रहा, बल्कि इससे आगे बढ़कर उसे रचने वाला भी होने लगा है। हम सब अपने को इंटरनेट मीडिया के अनुरूप ढालने लगे हुए हैं। इसका आकर्षण इतना है कि अपनी छवि बनाने को लेकर हम अतिरिक्त रुचि के साथ इंटरनेट मीडिया के उपयोग के लिए सतर्क, सजग और सक्रिय रहने लगे हैं। इसे देखकर इंटरनेट मीडिया के जरिये व्यक्ति, समुदाय और समाज के मानस को अपने निहित उद्देश्यों की पूर्ति के उद्देश्य से ढालने या 'मैनिपुलेट' करने की व्यापक कोशिशें भी चल पड़ी हैं। ऐसी कोशिशें कई बार वैमनस्य और कलह का कारण बनती हैं। इंटरनेट मीडिया के लगातार अभ्यास के साथ उपजती आसक्ति तरह-तरह के व्यसन का रूप लेती जा रही है। कई बार व्यसन के चलते बच्चे और बड़े अपना आपा खो देते हैं और वह सब करने लगते हैं जो अस्वाभाविक और हानिकारक भी हो सकता है। दैनिक व्यवहार में इंटरनेट मीडिया की उपस्थिति और संगति जिस तरह बढ़ रही है, वह खतरे का संकेत दे रही है। लोग घंटों ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप पर लगे रहते हैं और अपने अन्य कार्यों की उपेक्षा करते हैं। तमाम लोग 'लाइक, शेयर, कमेंट और सब्सक्राइब' करते रहने के दबाव में रहते हैं। इंटरनेट मीडिया के प्रकोप से जुड़ी घटनाएं हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी हैं। ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि के जरिये फरेब, धोखा, प्रेम, सहायता और परोपकार हर तरह की सत्य-कथाएं आए दिन चर्चा में आती रहती हैं। पबजी सरीखे तमाम वीडियो गेम ऐसे हैं, जो न केवल सामान्य जीवन में व्यवधान पैदा करते हैं, बल्कि प्राणलेवा भी साबित हो रहे हैं। अक्सर ऐसे व्यसन उन परिवारों में अधिक देखने को मिल रहे हैं, जहां अभिभावक बच्चों के साथ पर्याप्त संवाद नहीं रखते। नए संदर्भ में इंटरनेट मीडिया की तीव्र उपस्थिति के सत्य को स्वीकार करते हुए समाज में अभिभावकों के दायित्व की समझ और चेतना फैलाना बड़ा आवश्यक है। चूंकि इंटरनेट मीडिया दोधारी तलवार जैसा है, इसलिए उसका उपयोग संभाल कर होना चाहिए। पुरानी हिदायत है कि किसी भी चीज की अति खतरनाक होती है। ध्यान रहे कि इंटरनेट मीडिया झूठी खबरों और दुष्प्रचार का जरिया भी बन रहा है। हमें इंटरनेट मीडिया के उपयोग की विधाओं और सीमाओं पर गौर करते हुए आवश्यक कदम उठाने होंगे। इसे व्यसन मानकर मनोरोग की श्रेणी में डाल देना तो सांस्कृतिक क्षरण का प्रमाण है। हमें इसके समाधान की ओर ध्यान देना होगा। इसके लिए तात्कालिक आर्थिक फायदों को किनारे रखकर कैसी सामग्री उपलब्ध की जा सकती है, इसके लिए उचित कायदे-कानून बनाने होंगे। फिलहाल तो यही लगता है कि डिजिटल होती दुनिया और भी डिजिटल होगी। बाजार, आफिस और स्कूल हर जगह इसका विस्तार हो रहा है। इसके फायदों और सुभीते को देखते हुए यह भी जरूरी होगा कि डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल के नफे-नुकसान की शिक्षा भी मिले। तभी उसके फायदे मिल सकेंगे। बदल रहे देश-काल में इंटरनेट मीडिया की अनिवार्य भूमिका को देखते हुए उसके सकारात्मक उपयोग की दशाओं और दिशाओं पर सतर्कता के साथ कदम उठाना आवश्यक है।

नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास, जिसकी बुनियाद पर गढ़ा जा रहा नया भारत.....

आज जब नरेन्द्र मोदी की बतौर प्रधानमंत्री आठ साल की उपलब्धियों की चर्चा हो रही है, तब यह समझना आवश्यक है कि ये उपलब्धियां उनके लंबे संघर्षपूर्ण जीवन का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री ने अपने कुशल नेतृत्व से देश में सबको आत्मविश्वास से सराबोर कर दिया है। इनमें अंतिम पायदान पर खड़े देश के आम लोग भी हैं। प्रधानमंत्री के जीवन को बाह्य तत्व प्रभावित नहीं करते। उनमें आत्मग्लानि का भाव नहीं है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद वह जब अपने पारंपरिक पहनावे में काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चन करने के बाद आशीर्वाद में मिली भेंट लेकर बाहर निकले तो करोड़ों भारतीयों के लिए वह एक आध्यात्मिकता से ओतप्रोत क्षण था। अयोध्या में राम मंदिर के भूमि-

पूजन के बाद जब उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण कराया तो लोगों को उन अहिल्याबाई होलकर की याद आई, जिन्होंने 1780 में इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। भगवान बुद्ध परिपथ का विकास भी प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में रहा। उन्होंने पिछले साल उनकी निर्वाण स्थली कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करके इस तीर्थस्थल को एक नई सौगात दी। इसी तरह पीएम मोदी ने हाल में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फार बौद्ध कल्चरल एंड हेरिटेज सेंटर का शिलान्यास किया। आम लोगों के बीच अपने को उन्हीं जैसा ढालने में वह रत्ती भर भी संकोच नहीं करते। वह चाहे वाल्मीकि जयंती पर लोगों के बीच खंजरी बजाना हो या झाड़ू लगाकर स्वच्छता-सफाई का संदेश देना हो। प्रयागराज कुंभ में सफाई कर्मियों के चरण अपने हाथों से धोकर उन्होंने यही संदेश दिया था कि वह सबके हैं। नवरात्र के एक मौके पर अमेरिका में उन्होंने अपना उपवास नींबूपानी पर गुजार दिया, जो वहां के लोगों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने सही मायने में उन महर्षि अरविंद के दर्शन को जमीन पर उतारा है, जिनका यह मानना था कि कांग्रेस को भारत की अपनी पारंपरिक राज्य व्यवस्था साकार करनी चाहिए, क्योंकि पश्चिमी तौर-तरीकों से देश का कभी भला नहीं होने वाला। जैसा महर्षि अरविंद चाहते थे, वैसा मोदी ने किया। उन्होंने इसकी शुरुआत योग को विश्व पटल पर लोकप्रिय बनाने की पहल करके की। अपने आत्मविश्वास के चलते मोदी ने विश्व पटल पर एक अलग छाप छोड़ी है। इसका प्रमाण यह है कि पश्चिमी देशों के तमाम दबाव के बाद भी रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत ने जो रुख अपनाया, उस पर दृढ़ता से कायम रहा। कोरोना महामारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ-साथ कंधे से कंधा मिलाकर भारत ने दुनिया के कई देशों को वैक्सीन और दवाओं की मदद देकर भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की परंपरा को चरितार्थ किया। कोरोना महामारी से जब देश-दुनिया त्रस्त थी, तब मोदी देशवासियों को आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ा रहे थे। प्रतिक्रियावादी मजाक उड़ा रहे थे, लेकिन मोदी ने उनकी परवाह नहीं की। इस दौरान वह पारंपरिक चिकित्सा को एक नई पहचान दिलाने में सफल रहे, जिसका व्यापार करीब छह गुना बढ़ गया है। उद्योग के क्षेत्र में नैनो यूरिया खाद एक अभूतपूर्व पहल है। कुछ दिन पहले उन्होंने गुजरात के गांधीनगर में नैनो यूरिया प्लांट का उद्घाटन किया। यह खाद तरल होगी और एक बोतल से एक बोरी यूरिया की ताकत मिलेगी। यूपी समेत देश के कई राज्यों में इस तरल खाद के प्लांट लगाए जाएंगे, जो कृषि क्षेत्र में सचमुच एक ऐतिहासिक क्रांति होगी। अभी तक यूरिया खाद आयात करनी पड़ती थी। सरकार को करीब दो लाख करोड़ रुपये सब्सिडी के रूप में खर्च करने पड़ते थे। अब यह खर्चा बचेगा। अगले कुछ वर्षों में देश खाद्य तेल के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा। डिफेंस कारिडोर भी इस कड़ी में एक अहम कड़ी है। रक्षा उपकरणों के उत्पादन के मामले में पिछले आठ वर्षों से देश आत्मनिर्भर बनने की कोशिश के साथ ही 72 देशों को हथियार भी बेच रहा है। 2015 में रक्षा निर्यात 1941 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 11607 करोड़ रुपये हो गया है। सरकार ने 2025 तक रक्षा निर्यात का यह लक्ष्य पांच अरब डालर का रखा है। आत्मविश्वास से निकली आत्मनिर्भरता की बात पर लोगों का भरोसा है। मोदी है तो मुमकिन है, यह महज नारा नहीं, बल्कि एक हकीकत है जिसे आम आदमी कहीं अच्छे से समझता है। जरूरतमंदों को पूरा भरोसा है कि कांग्रेस के जमाने की तरह अब एक रुपये में पंद्रह पैसे नहीं, बल्कि पूरा रुपया उनके खातों में पहुंचेगा। इसीलिए गरीबों के लिए उनकी कल्याणकारी योजनाओं ने उन्हें दुनिया के मानचित्र पर एक लोकप्रिय नेता के तौर पर स्थापित कर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान जैसी योजनाओं ने अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी है। किसान सम्मान निधि ने किसानों का सम्मान बढ़ा दिया है। हर घर नल से जल योजना के तहत 2024 तक हर घर जल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। इन कल्याणकारी योजनाओं के खरा होने के कारण मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। जैसे गांधीजी ने लोगों को संबल प्रदान किया था और उन्हें आजादी का सपना दिखाया था, कुछ वैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने जनता में यह आत्मविश्वास पैदा कर दिया है ।

बच्चों की मासूमियत खत्म करते हिंसक आनलाइन गेम्स, किशोरों को इंटरनेट की आभासी दुनिया के चंगुल निकालें.....

चंद दिन पहले लखनऊ की एक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। यहां एक 16 वर्षीय किशोर ने अपनी मां की हत्या इसी आक्रोश में आकर कर दी कि वह उसे मोबाइल पर पबजी गेम नहीं खेलने दे रही थीं। वीडियो गेम या मोबाइल की लत के कारण किसी परिवार में अनहोनी का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 22 अप्रैल को रायगढ़ के 19 वर्षीय किशोर ने इसी गेम की लत के कारण परिवार द्वारा बार-बार टोकने की वजह से आत्महत्या कर ली थी। हाल के समय में ऐसे और भी मामले सामने आए हैं, लेकिन एक बेटे द्वारा मां को मौत के घाट उतार देने का मामला दुर्लभ श्रेणी का और मानवीय रिश्तों को तार-तार कर देने वाला है। इसके लिए इंटरनेट की बढ़ती पैठ को बड़ी हद तक जिम्मेदार माना जा रहा है। समय आ गया है कि हम इंटरनेट के माध्यम से बच्चों के मन में घर करती जा रही हिंसा और उनके क्रूर होते व्यवहार के रुझान को समझते हुए उसके समाधान हेतु उपाय खोजने के लिए कदम उठाएं। लखनऊ की घटना परिवार और स्कूल जैसी संस्थाओं की भूमिका को भी प्रशनंकित कर रही है। आखिर क्यों इस नेटीजन सोसायटी में हमारे सहज संवाद वाली संस्थाएं दम तोड़ रही है? इंटरनेट पर उपलब्ध तमाम हिंसक गेम्स के सामने हमारे मस्तिष्क को तरोताजा रखने वाली सामाजिक और शैक्षिक क्रियाएं समाज से नदारद क्यों हैं? विस्तार करती आभासी दुनिया एक बीमारी की शक्ल क्यों लेती जा रही हैं? डिजिटल सोसायटी के इस संक्रमण काल में ऐसे प्रशनें के उत्तर तलाशना आवश्यक है।इसमें कोई संदेह नहीं कि पारिवारिक विखंडन के इस दौर का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ा है। उनके मनो-शारीरिक विकास में दैहिक समाज गायब है। कामकाजी माता-पिता के पास उनके लिए समय का अभाव है, जो उन्हें यह बता सकें कि उनके जीवन में उपयोगी चीजों के चयन की दिशा क्या हो। माता-पिता भी बच्चों को सभी सुविधाएं देकर अपने कर्तव्य को पूरा मान लेते हैं। संस्कृति और सांस्कृतिक मूल्यों की सीख देने वाले परिवार और स्कूल भी उनसे दूर हो रहे हैं। ऐसे परिवेश में बच्चे अपने लिए चीजों का चयन करने में स्वतंत्र हो गए हैं, जबकि इसके लिए आवश्यक विवेक का अमूमन उनमें अभाव होता है। यही कारण है कि अबोध बच्चे इंटरनेट की आभासी दुनिया के चंगुल में फंसते जा रहे हैं। घर में एक प्रकार से बंद बच्चे उत्सुकतावश हिंसक गेम खेलना शुरू करते हैं और उसमें प्रतिद्वंद्वी को मारने के लिए जो तिकड़म करते हैं, उसमें उन्हें परपीड़क आनंद की अनुभूति होने लगती है। इस प्रकार उन्हें पता ही नहीं चलता कि कब हिंसक प्रवृत्ति उनके भीतर घर करती जाती है। बाजार भी इसे बखूबी भुना रहा है।वर्ष 2019 में आनलाइन गेमिंग का जो बाजार 3,700 करोड़ डालर का था वह 2025 तक 12 हजार करोड़ डालर के स्तर तक पहुंच सकता है। एक आंकड़े के अनुसार देश में भी यह कारोबार 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना काल में इन गेमर्स की जो संख्या 35 करोड़ के आसपास थी, 2022 के अंत तक वह 50 करोड़ से भी अधिक हो सकती है। भारत सरकार ने पिछले दो वर्षों में 118 चीनी एप पर प्रतिबंध तो लगाया था, मगर इसके बावजूद वे नाम बदलकर नए कलेवर में सामने आ जाते हैं।आज बच्चे दोस्तों, सहपाठियों और स्वजनों के साथ जो हिंसा कर रहे हैं, वह निश्चित ही उनकी सहनशक्ति के कमजोर होने एवं उनमें बढ़ते गुस्से का परिचायक है। परिवार, शिक्षक और शिक्षा की जो त्रयी बच्चों के व्यक्तित्व को एक सुरक्षा कवच प्रदान करती थी, उसकी पकड़ अब कमजोर पड़ रही है। संचार माध्यमों ने बच्चों के कल्पनालोक और यथार्थ में घालमेल करते हुए आक्रोश और हिंसा को केंद्र में लाकर लक्ष्य प्राप्ति का साधन बना दिया है। हिंसा अब बच्चों के सामान्य अनुभव का हिस्सा बनती जा रही है। संयम, सहनशीलता, दया, करुणा और अहिंसा जैसे मूल्य अपना महत्व खोते जा रहे हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति में विलंब बच्चों के लिए असहनीय हो रहा है। परिवारों में बच्चों की खुद की अस्मिता अन्य परिवारजनों से अलग होने की मांग कर रही है। यही कारण है कि परिवार में टोका-टाकी तक बच्चों में बर्दाश्त से बाहर हो रही है। समय की मांग है कि बच्चों को हिंसा की गिरफ्त से बचाने के लिए हम उनके प्रति तटस्थता के भाव का अविलंब

त्याग करते हुए उनके निकट आने का प्रयास करें।बच्चों का सामाजीकरण रूपी निवेश मानव के सामाजिक और सांस्कृतिक संसाधन का निवेश है। उनमें वात्सल्य, प्रेम, दया, सहानुभूति, अच्छा-बुरा, सच-झूठ और हिंसा-अहिंसा के बीच के अंतर से जुड़े अच्छे भावों को उनके जीवन में लाने के लिए परिवार एवं स्कूल जैसी प्राथमिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही बच्चों के जीवन में उनके एकाकीपन, तनाव, निराशा और कुंठा को कम करते हुए उन्हें रचनात्मक अथवा आउटडोर खेल गतिविधियों में व्यस्त किया जाए। इसके अलावा बच्चों में भावनात्मक थकान और हिंसक उत्तेजना से जुड़े भावों को कम करते हुए माता-पिता द्वारा उनसे नजदीकी एवं वात्सल्यपूर्ण संवाद स्थापित करने का प्रयास जारी रहे। स्मरण रहे कि जीवन का एकाकीपन बच्चों को उत्तेजक भावों का प्रकटीकरण करने के लिए उकसाता है। बच्चा जो कहना चाहता है, उसे ठीक से सुनना एवं समझना भी माता-पिता का दायित्व है। ऐसा करके ही बच्चों के लिए इंटरनेट से जुड़ी आभासी एवं हिंसक दुनिया की चुनौतियों को कम किया जा सकता है।

कश्मीर में दिखानी होगी और सख्ती, आतंकियों की बची-खुची ताकत को भी कुचलना होगा

पिछले कुछ महीनों में घाटी में कश्मीरी हिंदुओं और गैर कश्मीरियों को निशाना बनाकर उनकी हत्या के मामलों में जो तेजी आई, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। 'टारगेटेड किलिंग' की ये घटनाएं असल में आतंकियों की बौखलाहट का नतीजा हैं। पिछले कुछ समय

से सुरक्षा प्रतिष्ठान की सक्रियता उन पर आफत बनकर टूटी है। इस बीच एनआइए की एक अदालत द्वारा आतंकी यासीन मलिक को सुनाई गई सजा से भी स्पष्ट संदेश निकला है कि भारतीय राज्य अब आतंकियों से सख्ती से निपटने वाला है। यह भी उल्लेखनीय है कि एनआइए अदालत ने शांति-सुलह का ढोंग करने वाले पाकिस्तानी पिट्ठू हुर्रियत कांफ्रेंस जैसे संगठन को भी 'आतंकी' बताया। वास्तव में आतंकी, हुर्रियत जैसे अलगाववादी संगठन और पाकिस्तान का त्रिकोण भारत के खिलाफ हमेशा षड्यंत्र करता रहा है और आज भी कर रहा है। इसमें मुख्यधारा के नेताओं का चौथा कोण भी है, जिन्हें अभी अनावृत्त करना शेष है। ये चारों मिलकर अपनी-अपनी तरह से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। एनआइए की जांच में यह सामने आया कि यासीन मलिक, शब्बीर शाह, मुहम्मद अशरफ खान, मसर्रत आलम, जफर अकबर, सैयद अली शाह गिलानी, उसका बेटा नसीम गिलानी और आसिया अंद्राबी आदि इस जंग के प्रमुख किरदार हैं। यासीन मलिक इस आतंकी काकटेल के सबसे दुर्दांत चेहरों में से एक है और उसे सजा मिलने के बाद उम्मीद बंधी है कि कानून के हाथ अन्य आतंकियों तक भी पहुंचेंगे। स्पष्ट है कि इससे भी आतंकी और उनके समर्थक बौखलाए हुए हैं। जिस तरह यासीन को सजा मिली, उसी तरह अन्य आतंकियों और उनके यासीन की सजा पर उठे इन सवालों का भी जवाब मिलना चाहिए कि आखिर उसके उन मददगारों को सजा कब मिलेगी, जिन्होंने उसे गांधीवादी साबित करने के लिए हरसंभव जतन किए।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में 16 जून के बाद चार दिन बारिश के आसार गर्मी भी होगी कम

हिसार। हरियाणा की गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। पिछले दिनों से तापमान में कुछ कमी आई है मगर लू के थपेड़ों ने चेहरा लाल कर दिया है। मौसम विज्ञानियों ने 16 जून की रात्रि से चार दिन वर्षा के आसार जताए हैं। जिसके बाद फसलों को काफी लाभ मिलेगा। लगातार बढ़ रहे गर्मी के पारे ने लोगों का भयंकर सताया हुआ है। इस गर्मी का जहां आम जनजीवन पर प्रभाव पड़ रहा है वहीं फसलों पर भी इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। गर्मी की तपिश के कारण फसलें जल रहीं थी। इसके साथ ही सब्जियों की फसलों पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा था। वहीं गर्मी बढ़ने से फसलों में सिंचाई की आवश्यकता थी। अब वर्षा आने से किसानों की इस समस्या का बड़ा समाधान होगा। मार्च माह से लगातार तापमान बढ़ रहा है। सबसे पहले तो नरमा कपास सहित अन्य फसलों में सिंचाई की जरूरत को वर्षा पूरा करेगी।अभी धान की रोपाई होनी है ऐसे में यह वर्षा इसमें भी किसानों की मदद करेगी। आने वाले समय में मूंग की बिजाई होगी जिसमें भी वर्षा का लाभ मिलेगा। मानसून आने के बाद अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमीभरी हवाएं हरियाणा में 16 जून को दाखिल होंगी। अरब सागर से महाराष्ट्र गुजरात होते हुए राजस्थान तक यह हवाएं आ गई है है। अब इन्हें दो दिन हरियाणा तक पहुंचने में लगेंगे। ऐसे में दोनों सागरों से आई मानसूनी हवाओं से हरियाणा में एक सिस्टम बनेगा जिससे 16 जून की रात्रि को ही वर्षा आने की संभावना है। इसके बाद 17, 18, 19 व 20 जून तक वर्षा अपना प्रभाव दिखा सकती है। यह बारिश हरियाणा की गर्मी को दूर करने का काम करेगी साथ ही फसलों के लिए जीवनदायनी बनकर आएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जूम ऐप के माध्यम से जिला विकास एवं खेलकूद प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिलाधिकारी सुहास एलवाई की अध्यक्षता में जूम ऐप के माध्यम से जिला विकास एवं खेलकूद प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी, जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप क्रीड़ा अधिकारी को निर्देश दिए कि खिलाडियों को खेलों में उचित रूप से प्रशिक्षण देने के लिए संबंधित खेलों में प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाए ताकि खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण प्राप्त हो सके और वह देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने जिला विकास एवं खेलकूद प्रोत्साहन समिति में आय बढ़ाने पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी स्विमिंग पूल व जिम के रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन पारदर्शिता के आधार पर कराए जाएं ताकि जिले के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता दी जा सके एवं जिले में खेल संबंधित कार्य किए जा सकें। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप क्रीड़ा अधिकारी को कहा कि उनके द्वारा सभी खेल संघों के साथ आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए विभिन्न-खेलों में प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए ताकि समस्त खेलों की चयन प्रक्रिया निष्पक्ष हो सके। जिलाधिकारी ने उप क्रीडा अधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा सभी खेल उपकरणों की लिस्ट तैयार की जाए ताकि जो भी खेल उपकरण मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में नहीं है और मूलभूत सुविधाओं को जिला विकास एवं खेलकूद प्रोत्साहन समिति के माध्यम से उपलब्ध कराया जा सके।

पंजाब में भ्रष्टाचार मामले में कांग्रेस के एक और पूर्व मंत्री निशाने पर.....

चंडीगढ़। भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार संगरूर लोकसभा उप चुनाव से पहले कांग्रेस को एक और झटका दे सकती है। पूर्व मंत्री भारत भूषण आशू के खिलाफ भले ही विजिलेंस की जांच शुरू हो गई हो, लेकिन सरकार का निशाना किसी और पूर्व मंत्री पर है। पंजाब सरकार इसके लिए 'कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना' की नीति अपना रही है। इससे पूर्व भी सरकार ने अपना फोकस पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा पर दिखाया था, जबकि पर्चा पूर्व वन मंत्री साधू सिंह धर्मसोत और संगत सिंह गिलजियां पर दर्ज किया गया।साधू सिंह धर्मसोत और संगत सिंह गिलजियां पर पर्चा दर्ज करने व धर्मसोत की गिरफ्तारी को लेकर सरकार ने किसी को कानोंकान खबर नहीं होने दी, जबकि भारत भूषण आशू के बारे में ऐसी एहतियात नहीं बरती गई, जिससे इस बात के पूरे-पूरे संकेत मिलते है कि सरकार के निशाने पर कोई और पूर्व मंत्री है। वहीं, कांग्रेस पार्टी भी इस बात को लेकर चिंतित है।

नीतीश कुमार को पसंद नहीं अमित शाह की सलाह

पटना। भारत में इतिहास के पुनर्लेखन की चर्चा आजकल जोर पकड़ रही है। एक बड़े तबके का कहना है कि भारतीय इतिहास के लेखन में वामपंथी विचारधारा ने न्याय नहीं किया है। भारतीय शासकों को बाहरी आक्रांताओं से कमतर बताने की कोशिश की गई है। पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मसले पर बयान दिया तो मामले की गंभीरता बढ़

गई। बिहार और केंद्र सरकार में लंबे अरसे से सहयोगी जनता दल यूनाइटेड का इस मसले पर रुख अलग रहा है। सोमवार को इस संबंध में सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल पूछा गया तो उन्होंने जो कहा, उसका लब्बोलुआब भी तो ऐसा ही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि इतिहास को फिर से लिखने की क्या जरूरत है इतिहास जो है, वह है। उसे कोई कैसे बदल सकता है। वे सोमवार को जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे गृह मंत्री अमित शाह की इस सलाह पर टिप्पणी मांगी गई थी कि इतिहास का पुनर्लेखन होना चाहिए, क्योंकि इतिहासकारों ने मुगल साम्राज्य का तो महिमामंडन किया लेकिन, चोल, मौर्य, गुप्त शासनकाल के स्वर्णिम पक्ष की चर्चा नहीं की। मुख्यमंत्री ने हंसते हुए कहा-मेरी समझ में यह बात नहीं आ रही है कि कोई मौलिक इतिहास को कैसे बदल सकता है उन्होंने कहा कि भाषा का मामला अलग है, लेकिन इतिहास तो इतिहास है। जदयू की राय कई मसलों पर भाजपा से अलग रही है। जदयू के नेता और खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पूरी साफगोई से अपनी बात रखते रहे हैं। चाहे समान नागरिक संहिता का मामला हो या जनसंख्या नियंत्रण कानून का, जदयू ने इन मसलों पर खुद को अलग रखा है।

ब्रम्हचारी कुटी मे नंदी भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 82 ब्रम्हचारी कुटी मंदिर परिसर में नंदी जी की नई

मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई नंदी जी की पुरानी मूर्ति खंडित हो गई थी। जिसे आज पुनः मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापित किया गया। पंडित मनोहर शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा व हवन यज्ञ कराया गया। तदोपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बहुत सारे भक्त गण भाग लेकर जीवन को धन्य बनाया । इस अवसर पर ब्रम्हचारी कुटी के व्यवस्थापक पिंटू यादव जी, समाज वादी पार्टी ग्रामीण नोएडा महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेन्द्र दुबे , अशोक , परदेशी, बाबा हलवाई, जगदीश यादव , सुरेंद्र यादव, विकास सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत जनपद में मनाया जाएगा अमृत योग सप्ताह

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जनपद में 14 जून से 20 जून तक अमृत योग सप्ताह को सफल बनाने के उद्देश्य आज मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने जूम एप के माध्यम से बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जनपद में अमृत योग सप्ताह एवं आगामी 21 जून को विश्व योग दिवस को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभागीय अधिकारी गण आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए समय रहते सभी तैयारी पूर्ण करने की कार्रवाई सुनिश्चित कर ली जाए ताकि शासन की मंशा को मूर्त रूप प्रदान किया जा सके और जो जनपद का निर्धारित लक्ष्य है उसके सापेक्ष लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने विभागों के माध्यम से स्कूल, कॉलेज, औद्योगिक संगठन, आरडब्लूए, बैंकर्स, स्वयं सहायता समूह की सखियों, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, निजी एवं सरकारी चिकित्सालय, जिम, स्पोर्ट्स स्टेडियम आदि सभी के युवक-युवती एवं वरिष्ठ नागरिकों को आयुष कवच ऐप डाउनलोड करा कर योग करने के लिए प्रेरित किया जाए और उनके द्वारा योग करने की फोटो क्लिप्स लेकर आयुष कवच एप पर अपलोड कराएं ताकि शासन से जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसको प्राप्त किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभाग अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कल से 14 जून से शहीद पथिक स्टेडियम ग्रेटर नोएडा एवं नोएडा स्टेडियम में अमृत योग सप्ताह का शुभारंभ किया जाना है। अतः संबंधित अधिकारीगण आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ले, ताकि अमृत योग सप्ताह को सफल बनाया जा सके। इस महत्वपूर्ण बैठक नगर मजिस्ट्रेट नोएडा धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी, जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह, अर्थ एवं संख्या अधिकारी हेमंत कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी, जिला होम्योपैथिक अधिकारी के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

लालू यादव-तेजस्वी के चहेते बाहुबली विधायक अनंत सिंह फंस गए, कोर्ट ने एके-47 और ग्रेनेड मामले में सुनाया फैसला

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के बाहुबली विधायक अनंत सिंह बुरी तरह फंस गए हैं। पटना स्थित विशेष एमपी-एमएलए न्यायालय ने विधायक के पैतृक घर से प्रतिबंधित हथियार एके-47 और ग्रेनेड की बरामदगी के मामले में उन्हें दोषी माना है। इस मामले में कोर्ट ने विधायक के एक करीबी सुनील राम को भी दोषी माना है। कोर्ट ने विधायक की ओर से दिए गए सभी तर्कों को खारिज कर दिया है। अनंत

सिंह पटना जिले के मोकामा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल के विधायक हैं। वह फिलहाल जेल में हैं। उनके खिलाफ आपराधिक मामलों की लंबी फेहरिश्त है।आखिरी बार अनंत सिंह को उनके घर से प्रतबिंधित अत्याधुनिक हथियार एके-47 और ग्रेनेड की बरामदगी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। आज इस मामले में न्यायालय ने उन्हें दोषी ठहरा दिया है। तेजस्वी यादव के करीबी विधायक पर बिहार पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। हालांकि विधायक इस मामले में खुद के निदौष रहने और फंसाए जाने की बात कहते रहे हैं। यहां आपको विधायक पर लगी धाराओं के बारे में पूरी जानकारी हासिल हो सकेगी।मोकामा विधायक अनंत सिंह के पैतृक गांव नदवां स्थित घर से एके-47 और ग्रेनेड बरामदगी मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष जज त्रिलोकी नाथ दूबे की अदालत 21 जून को फैसला सुनायेगी। सोमवार को कानूनी बिंदुओं पर सुनवाई पूरी हुई थी। अनंत सिंह के खिलाफ यह मामला 2019 में दर्ज किया गया था। बाढ़ की तात्कालीन एएसपी लिपि सिंह के नेतृत्व में 16 अगस्?त को छापेमारी के दौरान पु?लिस ने विधायक के पैतृक घर से आपतिजनक हथियार बरामद करने का दावा किया था। इससे पहले 2015 में अनंत सिंह के पटना स्थित सरकारी आवास से इंसास राइफल की मैगजीन और विदेशी बुलेटप्रूफ जैकेट बरामद किए जाने का मामला भी दर्ज किया जा चुका है। दोनों ही मामलों की सुनवाई अतिम दौर में है।अनंत सिंह पटना की बेउर जेल में बंद रहने के दौरान भी प्रशासन के लिए चुनौती बने रहे। उनके वार्ड से गैरकानूनी गत?विधियों की सूचना पर जेल में कई बार छापेमारी हुई। गड़बड़ियां मिलीं और जेल के अधिकारी-कर्मचारी लापरवाही के आरोप में नपे। पिछले दिनों उनके वार्ड से मोबाइल मिला। जेल में कई लोग गैरकानूनी तरीके से उनकी सेवा करते मिले। अनंत सिंह पटना की बेउर जेल में बंद रहने के दौरान भी प्रशासन के लिए चुनौती बने रहे। उनके वार्ड से गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना पर जेल में कई बार छापेमारी हुई। गड़बड़ि?यां मिलीं और जेल के अधिकारी-कर्मचारी लापरवाही के आरोप में नपे। पिछले दिनों उनके वार्ड से मोबाइल मिला। जेल में कई लोग गैरकानूनी तरीके से उनकी सेवा करते मिले। एक वक्त था जब अनंत सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुरीद थे। बाद में उनके खिलाफ आपराधिक मामले सामने आते गए और वे जदयू और नीतीश कुमार के विरोधी बनते चले गए। इसी दौरान राष्?ट्रीय जनता दल और तेजस्?वी यादव से उनकी नजदीकियां बढ़ीं। 2020 में वे राजद के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़कर जीते। वे पांच बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। अब तेजस्वी यादव के खास लोगों में उनकी गिनती है। स्थानीय निकाय कोटे की विधान परिषद सीट के लिए चुनाव में तेजस्वी यादव ने अनंत सिंह के करीबी को टिकट दिया और वे जीते भी। बाहुबली विधायक अनंत सिंह पर हाथ डालना आसान काम नहीं है। एके-47 वाले मामले में जिस तेज तर्रार आइपीएस अफसर लिपि सिंह ने अनंत सिंह के खिलाफ एक्शन लिया, वह केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता आरसीपी सिंह की बेटी हैं। अनंत सिंह और उनके करीबियों ने इस केस के सामने आने के बाद लिपि सिंह पर उनके पिता आरसीपी सिंह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इशारे पर काम करते हुए फंसाने का आरोप तक लगाया था। पिछले दिनों जब जदयू ने आरसीपी सिंह को राज्यसभा के लिए टिकट नहीं दिया तो अनंत सिंह ने अपना मामला याद दिलाते हुए चुटकी ली थी। मोकामा विधायक अनंत सिंह के पैतृक गांव नदवां स्थित घर से एके-47 और ग्रेनेड बरामदगी मामले में सोमवार को सुनवाई पूरी हुई। यह मामला बाढ़ थाना कांड संख्या 389/2019 से जुड़ा है। 16 अगस्त, 2019 को मोकामा विधायक अनंत सिंह के पैतृक गांव नदवां स्थित घर में बाढ़, मोकामा, पंडारक, एनटीपीसी तथा हाथीदह थाना की पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की थी। इस दौरान पुलिस ने घर से एके-47, 7.62 एमएम की 26 जिंदा कारतूस और दो ग्रेनेड बरामद किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से 13 तथा बचाव पक्ष से 34 लोगों ने गवाही दी है। इस मामले का अनुसंधान बाढ़ के तत्कालीन सहायक पुलिस अधीक्षक लिपि सिंह द्वारा किया गया था। अनुसंधान के बाद पुलिस ने अनंत सिंह और एक अन्य आरोपित सुनील राम के खिलाफ चार नवंबर, 2019 को आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोप पत्र आइपीसी की धारा 414, 120बी, आर्मस एक्ट की धारा 25 (1-ए), 25 (1-ए ए), 25 (1-बी), सी, 26 व 35 एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 314 के तहत दाखिल किया।

सेक्टर 82 मे कुत्तों का आतंक

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 82 में कुत्तों का आतंक बडी तेजी से बढ रहा है। सेक्टर 82 मे आए दिन किसी न किसी को कुत्ते अपना शिकार बना रहे है। शासन प्रशासन से यहाँ के लोगों ने कयी बार शिकायत कर चुके है। लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। अभी तक सैकड़ों लोगों को कुत्तो ने काट लिया है। यहां के लोगों को घर से निकलना दूभर हो गया है। हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल ने जब वहां जाकर लोगों से बातचीत की तो पता चला कि हर महीने चार- छ लोगों को कुत्ते अपना शिकार बना लेते है। छोटे छोटे बच्चों का घर से बाहर निकल पाना मुश्किल हो गया है। इस सोसायटी मे सैकड़ो अवारा कुत्ते घूम रहे है। कुत्तों की गाडी आती है और इधर उधर घूम कर चली जाती हैं। कुत्तों का कोई इन्तजाम नहीं हो रहा है। सोसायटी वालो ने सरकार से मांग की है कि इस सोसायटी मे सैकड़ो आवारा कुत्तों को पकड कर सोसायटी के बाहर किया जाये जिससे हम की जिन्दगी जी सके।

चंडीगढ़ समेत पंजाब हरियाणा में अगले 24 घंटे में बदलेगा मौसम

चंडीगढ़। गर्मी की मार झेल रहे लोगों को जल्द राहत मिल सकती है। अगले 24 घंटे में मौसम में बदलाव के आसार बन रहे हैं। चंडीगढ़ मौसम विभाग केंद्र ने एक बार फिर से चंडीगढ़ सहित ट्राईसिटी में बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग के अनुसार 15 जून को शहर में बादल छाएंगे और 16-17 जून को बारिश होगी। इस दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चलेगी। मौसम विभाग ने पंजाब में आज कुछ जगहों में हल्की बारिश बताई है। उसके बाद राज्य में 15, 16 और 17 को कई जिलों में तेज बारिश होगी। बेहाल किया। अधिकतम तापमान 4.8 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 29.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। हालांकि आज भी सुबह मौसम ऐसा ही बना हुआ है। सुबह आठ बजे तापमान 32 डिग्री पहुंच गया है। अब देखना यह होगा की मौसम विभाग की भविष्यवाणी कितनी स्टीक बैठती है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के अनुसार मानसून उत्तर भारत में जल्द दस्तक देगा। उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पश्चिम असम तक एक पूर्व पश्चिम ट्रफ लाइन बन रही है। यही ट्रफ लाइन अब उत्तर भारत की तरफ

वहीं हरियाणा में भी मौसम का हाल ऐसा ही रहने वाला है। इन दोनों राज्यों सहित चंडीगढ़ में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। मौसम विभाग के अनुसार चंडीगढ़ आज शाम से बादल छाएंगे इससे रात के तापमान में थोड़ी गिरावट आएगी।वहीं, सोमवार को एक बार फिर से तापमान 44 डिग्री पहुंच गया था। दिनभर गर्म हवाओं ने लोगों को बढ़ रही है। इसी कारण मौसम में बदलाव आएगा और उत्तर भारत में मानसून दस्तक देगा। 14 जून से 20 जून तक चंडीगढ़ के तापमान में ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। इस दौरान तापमान भी 40 डिग्री के आसपास रहेगा। हालांकि विभाग ने यह भी अलर्ट जारी किया है कि 21 जून के बाद फिर से लू का सामना करना पड़ेगा। सोमवार को चंडीगढ़ के लोग करीब 10 घंटे तक लू की चपेट में रहे, जिससे बाजार से लेकर पर्यटन स्थल सभी विरान रहे।

4 गोमांस तस्कर सेक्टर 62 मे जांच के दौरान गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। पुलिस ने गोमांस की तस्करी करने के आरोप में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चार लोगों को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नोएडा पुलिस इस मामले में आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि तीन आरोपियों को देर रात नोएडा सेक्टर-62 चौराहे से एक पिकअप वैन के साथ पकड़ा। पुलिस ने जब पिकअप वैन की जांच की तो उसमें से करीब 1500 किलोग्राम गोमांस बरामद हुआ। नोएडा के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने कहा कि तीन आरोपियों को रात पकड़ा गया, जबकि चौथे को सेक्टर 58 पुलिस थाने के अधिकारियों ने सोमवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जिस पिकअप वैन को रोका था, उसमें बड़ी मात्रा में गोमांस भरा था। वैन में सवार तीन लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी पहचान सज्जाद, रिजवान और सिराजुद्दीन के रूप में हुई है।

ये सभी गाजियाबाद जिले के डासना के रहने वाले हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह दिल्ली के गाजीपुर मार्केट में अवैध रूप से गायों का वध करने और गोमांस बेचने में संलिप्त हैं। रणविजय सिंह ने कहा कि उनका चौथा साथी जुनैद मौके से भागने में सफल रहा, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया और उसे आज सुबह सेक्टर-62 में डी पार्क के पास रोक लिया गया। सिंह ने कहा कि पुलिस टीम से घिरे होने पर जुनैद ने एक बार फिर भागने की कोशिश में उन पर गोलियां चला दीं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया।

बिहार से आई बड़ी खुशखबरी मानसून पहुंचते ही बदला मौसम कल से सभी जिलों में बारिश होगा

पटना। 2022 बिहार की उमस भरी गर्मी झेल रहे लोगों के लिए यह राहत भरी खबर है। इस साल मानसून 15 जून को सीमांचल इलाके के किशनगंज व पूणिऱ्या से एंट्री कर रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मानसून पूरे बिहार में 20 जून तक फैल जाने का संभावना है। फिलहाल मानसून करीब एक सप्ताह से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी व जलपाइगुड़ी में ठिठका है, लेकिन इसके आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बनने लगी है। मानसून आगे 17 जून तक उत्तर प्रदेश में भी दस्तक देगा बिहार में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगमन को लेकर मौसम विज्ञानियों का पूर्वानुमान सटीक रहा। प्रदेश में मानसून तय समय यानी 13 जून को पूर्णिया के रास्ते दस्तक दे दी है। इसका प्रभाव किशनगंज, अररिया, पूणिऱ्या और सुपौल जिलों में दिखने लगा। पटना सथित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी आशीष कुमार की मानें तो अगले तीन से चार दिनों में मानसून का असर राज्य के अन्य हिस्सों में भी दिखने लगेगा। वहीं, 15-17 जून के बीच प्रदेश में आंधी-पानी, आकाशीय बिजली चमकने के साथ मानसून की बारिश का पूर्वानुमान है। जून में तलहटी वाले जिलों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। पिछले चार वर्षों से समय पर प्रदेश में मानसून का आगमन होता रहा है। गया और पटना में मानसून आने की मानक तिथि 16 जून, वहीं छपरा में 18 जून है। मौसम विज्ञानी की मानें तो मानसून के प्रसार के लिए स्थितियां अनुकूल हैं। पिछले साल भी बिहार में मानसून का प्रवेश पूणिऱ्या के ही रास्ते हुआ था। पछिले साल प्री मानसून बारिश औसत से बेहतर हुई थी। इस बार यह आंकड़ा कम है। खासकर दक्षिण और मध्य बिहार में मानसून से पहले जोरदार गर्मी पड़ी है। मौसम विज्ञानी की मानें तो प्रदेश में पूर्व पश्चिम ट्रफ-रेखा उत्तरी हिमालय से पूर्वी असम तक उत्तरप्रदेश, बिहार, उप-

हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर गुजरने से मानसून को मजबूती मिली है। इसके प्रभाव से सीमावर्ती क्षेत्रों के अधिकतर जिलों में प्री-मानसून के दौरान बारिश की गतिविधियां पहले से बनी हुई थीं। वहीं, अगले 24 घंटों के दौरान मानसून प्रवेश के कारण इन जिलों में अच्छी बारिश के आसार है। बिहार में सीमांचल क्षेत्रों के रास्ते दक्षिण पश्चिम मानसून का आगमन होता है। मानसून आने की निर्धारित तिथि 11-13 जून के आसपास है, जबकि वापसी अक्टूबर में। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 2020 के बाद इस बार यानी तीसरे वर्ष भी मानसून अपने निर्धारित तिथि 13 जून को प्रदेश में पहुंचा है। वहीं, 2018 में मानसून सबसे देर से 25 जून को आया था। मानसून की वापसी सबसे देर में 2020 के 21 नवंबर को हुई थी। मौसम विज्ञान केंद्र के समीर कुमार ने बताया कि वर्ष 2004 में मानसून दो अक्टूबर को लौटा था। आमतौर पर मानसून की वापसी 10-26 अक्टूबर के बीच अलग-अलग तिथि पर होती रही है। मौसम विज्ञानी की मानें तो इस वर्ष तराई वाले क्षेत्रों में मानसून के दौरान सामान्य से अधिक बारिश के आसार है।

'अंधेरे की रानी' मौनी रॉय को चाहिए 'ब्रह्मास्त्र', जुनून इतना की जंग को हैं तैयार, खुंखार रूप देख उड़ न जाए होश

नई दिल्ली। आयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित ब्रह्मास्त्र का ट्रेलर कुछ ही घंटों में रिलीज होने वाला है। फिल्म से अब तक लगभग सभी एक्ट्रर्स के किरदारों से पर्दा उठा दिया गया है और मंगलवार को मौनी रॉय का भी फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। जिसके मोशन पोस्टर में एक्ट्रेस काफी खुंखार नजर आ रही हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर ने मौनी राय का लुक शेयर करते हुए उनके किरदार के बारे में थोड़ी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने मौनी के किरदार का नाम भी बताया। मौनी फिल्म में 'जुनून' नाम के निगेटिव रोल में हैं। फिल्म में वे 'अंधेरे की रानी' बनी हैं। जो 'ब्रह्मास्त्र' के पीछे पड़ी है। 'जुनून' एक ऐसा किरदार है जो खुंखार होने के साथ ही बेहद दिलकश भी है, जो किसी को भी अपने वश में कर ले। फिल्म से मौनी का पहला लुक शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, ठकर ले सबको वश में अपने, अंधेरे की रानी है। ब्रह्मास्त्र को हासिल करना, यह जुनून ने ठानी है "मिलिए अंधेरों की रानी से... हमारी मिस्टीरियस क्वीन ऑफ डार्कनेस जूनून! यहां देखें ब्रह्मास्त्र से एक्ट्रेस का पहला लुक, आपको बता दें कि ब्रह्मास्त्र ट्रिलॉजी फिल्म है, जो 3डी फॉर्मेट में रिलीज होगी। इसका पहला भाग 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 1: शिवा' 9 सितम्बर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। यह रणबीर कपूर की पहली पैन इंडिया फिल्म होने जा रही है। 'ब्रह्मास्त्र' के किरदारों के बारे में बात करें तो फिल्म में आलिया, ईशा के किरदार में है तो वहीं रणबीर के कैरेक्टर का नाम शिवा है। वहीं अमिताभ बच्चन प्रोफेसर अरविंद चतुर्वेदी के किरदार में हैं। जबकि नागाअर्जुन आकियोलॉजिस्ट अनीश वशिष्ठ के रोल में हैं। मौनी रॉय के कैरेक्टर का नाम दमयंती है। 'ब्रह्मास्त्र' 9 सितंबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में नजर आएंगी रेखा, एवरग्रीन ब्यूटी के लिए लिखा गया खास रोल

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्में बना चुके निर्देशक संजय लीला भंसाली अब ओटीटी की दुनिया में भी हाथ आजमाना चाहते हैं। कुछ महीनों पहले उन्होंने घोषणा की थी कि वे नेटफलिक्स के साथ मिलकर वेब सीरीज हीरामंडी बनाने वाले हैं। तब से हीरामंडी को लेकर लोगों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। अब खबर आई है कि बॉलीवुड की एवरग्रीन ब्यूटी रेखा भी इस सीरीज का हिस्सा बन गई हैं। बॉलीवुड हंगामा की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार रेखा की सीरीज में धमाकेदार एंट्री हो सकती है। रेखा लंबे समय से संजय लीली भंसाली के साथ काम करना चाहती हैं और वे भी एक्ट्रेस को कास्ट करने के लिए काफी समय से बेताब हैं। अब तक दोनों ने कभी साथ में काम नहीं किया है। रिपोर्ट की माने तो संजय शुरूआत से ही रेखा को हीरामंडी में देखना चाहते थे और उन्होंने एक्ट्रेस के लिए एक खास रोल फिक्स कर रखा है, जिसे सिर्फ रेखा के लिए ही लिखा गया है। सीरीज हीरामंडी के लिए कास्टिंग पूरी हो चुकी है। रेखा के अलावा हीरामंडी में माधुरी दीक्षित , सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, हुमा कुरैशी और ऋचा चड्ढा भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डायरेक्टर संजय लीला भंसाली जल्द ही 'हीरामंडी' के कास्ट की आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं। संजय की यह फिल्म पाकिस्तान स्थित लाहौर के हीरामंडी इलाके के ईर्द- गिर्द घूमती है। जो कि रेड लाइट डिस्ट्रिक्ट के नाम से फेमस है। इस एरिया को लेकर एक और कहानी है। जिसके अनुसार यह कभी शाही इलाका कहा जाता था। यहां पर राजा रंजीत सिंह के बेटे हीरा सिंह का शासन करते थे। उन्हीं के नाम पर इसका नाम हीरामंडी पड़ा। इस वजह से भारत के साथ पाकिस्तान में भी इसके चर्चे हैं।

'छोटी सरदारनी' फेम अंकित गेरा बने पिता, पत्नी को तकलीफ में देख छलक गए थे आंसू

नई दिल्ली। साल 2012 में आए टीवी शो 'सपने सुहाने लड़कपन के' से घर-घर में मशहूर हुए अभिनेता अंकित गेरा के घर खुशियों ने दस्तक दी। टीवी एक्टर अंकित गेरा ने साल 2021 जून में नाइजीरिया की एक एनआरआई लड़की राशि पुरी से शादी की थी। अपनी शादी के एक साल बाद अब अंकित गेरा और उनकी पतने ने अपने घर नन्हें मेहमान का स्वागत किया। एक्टर ने अपने बेटे की एक झलक फैंस के साथ शेयर की और साथ ही पिता बनने के बाद खास बातचीत में अपनी फीलिंग्स जाहिर की अंकित गेरा की पतने राशि पुरी ने 10 जून को बेटे को जन्म दिया था। अपने बेटे की पहली झलक अंकित ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर की। इस तस्वीर में अंकित अपने 3 दिन के बेटे को बड़े ही प्यार से निहार रहे हैं। उनके चेहरे पर उनके पिता बनने की खुशी को साफ तौर पर महसूस किया जा सकता है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए अंकित ने कैप्शन में लिखा, 'मुझे अपनी जिंदगी में वैसे तो कई चीजों पर गर्व है, लेकिन कोई भी खुशी पिता बनने की खुशी के आगे कुछ नहीं है। थैंक यू राशि'। इंस्टाग्राम के अलावा अंकित गेरा ने ई-टाइम्स से बातचीत करते हुए भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'आप तब तक उस खुशी को महसूस नहीं कर सकते जब तक आप उसका अनुभव नहीं करते। हर चीज, यहां तक कि आपकी जितनी भी चिंताएं होती हैं सब दूर हो जाती हैं, जब आप अपने बच्चे को पहली बार गोद में लेते हैं। मैं खुश हूं कि मेरा बेटा मुझे मास्क के बिना देख सका। क्योंकि अभी भी कोविड-19 की महामारी का खतरा है, इसलिए एडमिट करवाने से पहले सभी सावधानियां बरती गयीं और उनका पालन किया जा रहा है'। अंकित गेरा ने अपनी बातचीत में ये भी बताया कि उनकी पतने राशि को प्रसव के दौरान बहुत दर्द हुआ, जो 16 घंटे तक चला। अंकित ने ये भी बताया कि एक समय पर पतने को इस तरह से दर्द में देखकर वह पूरी तरह टूट गए थे और वह बाहर निकलकर रोने लगे थे। अंकित गेरा के पिता बनने के बाद उनके इंडस्ट्री के दोस्तों ने उन्हें सोशल मीडिया पर खूब बधाई दी।

मोहित मलिक की पत्नी ने शादी के बाद इस वजह से कह दिया था अपने एक्टिंग करियर को अलविदा

मुंबई। टीवी एक्टर मोहित मलिक इन दिनों खतरों के खिलाड़ी रियलिटी शो में खतरों से खेलते नजी आ रहे है। आज के समय में मोहित मलिक टेलीविजन इंडस्ट्री का बहुत बड़ा नाम है उनकी गिनती टीवी के टॉप 5 एक्टर्स में होती है। लेकिन उनकी जिंदगी में एक वक्त ऐसा भी आया था जब उन्हें काफी आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ा और उस समय कैसे उनकी पत्नी और उन्होंने उस मुश्किल वक्त का सामना किया इसका खुलासा हाल ही में से हुई एक्सक्लूसिव मुलाकात में खुद मोहित मालिक और उनकी पतने अदिति ने किया है अदिति कहती है, जब हमने शादी की उसके बाद प्रोफेशनली प्रॉब्लम आनी शुरू हुई। क्योंकि हमने शादी के दौरान अपनी सारी सेविंग खर्च कर दी थी और तभी हमने घर खरीदा था और एक ऐसा फेज आया जब हम दोनों ही वर्किंग नही थे, हमारे पास काम नही था और हमने ऐसा समय कभी नही देखा था। लेकिन यह हमारी जिंदगी का सबसे यादगार फेज था, क्योंकि उस मुश्किल वक्त ने हमे बहुत स्ट्रांग बनाया है। हमारी मैरिज फाउंडेशन को और स्ट्रांग बनाया। हमें एक-दूसरे की वैल्यू समझ आनी शुरू हुई। मैंने और मोहित ने बड़ी ही खूबसूरती के साथ इस मुश्किल दौर से डील किया। अदिति अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बताती है कि, 'जब हमारी जिंदगी में ऐसी स्थिति आई थी, तब मैंने एक डिसीजन लिया था और वह निर्णय था अपना एक्टिंग करियर को छोड़ रेस्टोरेंट का बिजनेस शुरू करने का, क्योंकि मेरा एक पैशन था कि अपना काम शुरू करना है और अपना रेस्टोरेंट बिजनेस शुरू करना है।

तारक मेहता में हुई दयाबेन की एंट्री, सुंदरलाल अपनी प्यारी बहना को लेकर पहुंचे गोकुलधाम

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के फैंस के लिए खुशखबरी है। आप जिस घड़ी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वो आ गई है। हम सबकी प्यारी दया भाभी 5 साल बाद शो में वापसी कर चुकी हैं। सुंदरलाल खुद अपनी बहना को लेकर गोकुलधाम सोसाइटी पहुंच चुके हैं। इस खबर से सोसाइटी के सभी लोग खुशी से झूम उठते का स्वागत करने के लिए लोग बेताब हैं।पर जरा ठहरि जहां सुंदरलाल हों वहां कुछ गड़बड़ ना हो ऐसा कैसे हो सकता है। तो शो के प्रोमो वीडियो में भी साफ दिख रहा है कि सुंदरलाल, जेठालाल को उस गाड़ी के पास जाने से रोकते हैं जिसमें दयाबेन के बैठे होने का दावा किया जा रहा है। जेठालाल बेताब है अपनी दया से मिलने के लिए

हैं। जेठालाल की तो स्माइल छुपाए नहीं छुप रही है। यहां तक की बापूजी भी सोसाइटी के बाहर आ गए हैं, अपनी बेटी जैसी बहू को लेने के लिए। दयाबेन की एंट्री तारक मेहता में हो चुकी है। पूरे 5 साल बाद सुंदरलाल अपनी बहना को अहमदाबाद से लेकर मुंबई पहुंच चुके हैं। आने वाले एपिसोड में आप देखेंगे कि दयाबेन की आने की खुशखबरी सुंदरलाल पूरे सोसाइटी को दे रहे हैं। जेठालाल तो सुंदर से गले मिल रहे हैं, उनसे रहा नहीं जा रहा कि वो बस जाकर किसी तरह दया से मिल लें। सोसाइटी के बाकी लोग भी दया भाभी के लिए आरती की थाल सजाए बैठे हैं। पूरे जोर शोर से टप्पू की मम्मी और सुंदर हैं कि मान नहीं रहे, वो रोके जा रहे हैं। सुंदर कह रहे हैं कि दया खुद उतरेंगी इस गाड़ी है और सारे गोकुलधाम वाले नजरें गड़ाए एकटक देख रहे हैं वैसे बता दें कि पिछले दिनों ही असित मोदी ने दयाबेन की शो में वापसी की घोषणा की थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दयाबेन के किरदार के लिए ऑडिशन भी लिए जा रहे थे, ऐसे में इतनी जल्दी शो में किसी को कास्ट करना, फैंस के लिए ये विश्वास करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। साल 2017 तक शो में दयाबेन का किरदार निभाने वाली दिशा वकानी ने हाल ही में एक बेटे को जन्म दिया है, जिसके बाद उनकी वापसी की खबरों पर तो विराम लग गया है।

प्रतीक सजहपाल और फैसू के साथ मिलकर राजीव अदतिया को किया टीज

नई दिल्ली। चर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी को लेकर फैंस के बीच एक अलग तरह की दीवानी देखने को मिलती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। इन दिनों खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 की शूटिंग काफी जोर-शोर से साउथ अफ्रीका के केप टाउन में चल रही है, जहां शो में भाग लेने वाले कंटेस्टेंट खतरनाक टास्क करने के साथ-साथ मस्ती भी कर रहे हैं। अब बिग बॉस 15 के फाइनलिस्ट प्रतीक सहजपाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें मशहूर टिकटॉकर फैसल शेख उर्फ फैसू के साथ मस्ती करते हुए दिख रहे हैं। जबकि वीडियो उनके पीछे राजीव अदतिया भी बैठे हुए दिख रहे, जोकि काफी फनी दिख रहे हैं। इस वीडियो में प्रतीक और फैसू सोशल मीडिया पर वायरल हो रही रील के डायलॉग पर लिप्सिंग करते हुए कहते हैं। अगर जिंदगी में लड़की पटाना है भाई, तो बाल खड़े करने पड़ेंगा। मिस्टर फैसू और प्रतीक सहजपाल की इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। वीडियो को अब तक (खबर लिखे जाने तक) कई लाख लोग लाइक कर चुके हैं। वहीं, इस वीडियो पर राजीव अदतिया ने खुद प्रतिक्रिया दी, जिसको देखकर मालूम होता है

सिद्धांत कपूर को 24 घंटों के अंदर मिली जमानत, ड्रग्स केस में हुए थे गिरफ्तार

नई दिल्ली। नई दिल्ली, जेएनएन। 13 जून को रेव पार्टी करने के चलते छापे मारी में गिरफ्तार हुए एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को 24 घंटो के अंदर ही जमानत मिल गई है। रविवार की रात बैंगलुरू के एक चार सतारा होटल में गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने छापा मारा था। पार्टी में लगभग 35 लोग शामिल थे। छापे के बाद सभी लोगों की मेडिकल जांच करवायी गयी थी। सोमवार को इनमें से सिद्धांत समेत पांच लोगों की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। सिद्धांत समेत चार लोगों को स्टेशन बेल पर रिहा कर दिया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, डीसीपी ईस्ट बेंगलुरु भीमा शंकर गुलेड ने जानकारी दी कि सिद्धांत और चार अन्य लोगों को स्टेशन बेल पर रिहा किया गया है, लेकिन जब भी बुलाया जाएगा, उन्हें पुलिस के सामने पेश होना होगा। भीमाशंकर शंकर गुलेद ने कहा, सिद्धांत कपूर के मेडिकल जांच में पाया गया कि उन्होंने ड्रग्स का सेवन किया था। हमने उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर लिया है और प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं। हम उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजेंगे।रिपोर्ट के अनुसार गुप्त सूचना मिलने पर रविवार रात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शहर के एन एमजी रोड के एक होटल में छापा मारा था। जहां एक पार्टी का आयोजन किया गया। संदिग्ध दवाओं के सेवन करने वाले लोगों के नमूने चिकित्सा परीक्षण के लिए भेजे गए थे और सिद्धांत का नमूना छह में से एक था जो पॉजिटिव निकला। पुलिस ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने होटल में ड्रग्स का सेवन किया था या बाहर ड्रग्स लेने के बाद पार्टी में आए थे।डीसीपी गुलेद ने कहा, ठकल रात हमें जानकारी मिली थी कि एक पार्टी चल रही है और उन्होंने ड्रग्स का सेवन किया है। हमने छापेमारी की और 35 लोगों को हिरासत में लिया। हमें उनमें से किसी के पास से कोई ड्रग्स नहीं मिला, लेकिन एमडीएमए और गांजा पास में ही पड़ा हुआ मिला। यह किसने फेंका इसका पता लगेने के लिए हम सीसीटीवी की जांच करेंगे।उन्होंने ने आगे कहा, ठहोटल को नोटिस दिया गया है, हमने विशिष्ट प्रशन पूछे हैं, उन्हें जवाब देना होगा। बेंगलुरु शहर की पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ जंग की घोषणा की है और यह इसका हिस्सा था। इस महीने की शरूआत में, हमने एक और छापेमारी की थी, जहां 34 लोग का ब्लड टेस्ट ड्रग्स के लिए पॉजिटिव आया था। बतो दें कि सिद्धांत शूटआउट एट वडाला', 'हसीना पारकर' और 'जज्बा' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। इसके अलावा वे क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'भौकाल' में भी नजर आ चुके हैं।

शादी के बाद इस एक्ट्रेस संग लीक हुई विक्की कौशल की ऐसी तस्वीरें, 'कभी बाहों में तो कभी

नई दिल्ली। बॉलीवुड हैंडसंम हंक विक्की कौशल और एक्ट्रेस कटरीना कैफ इन दिनों अपनी शादीशुदा लाइफ को एंजॉय कर रहे हैं। दोनों की शादी काफी सुर्खियों में रही है। शादी के बाद इन दिनों विक्की अपनी नई फिल्म की शूटिंग करने में लगे हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ 'बुलबुल' एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी लीड रोल प्ले कर रही हैं। इस फिल्म को लेकर विक्की और तृप्ति दोनों काफी सुखिर्यों में बने हैं। वहीं अब इसी बीच ?फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं, जो कि काफी रोमांक्टि और बोल्ड हैं। इन तस्वीरों को आप यहां देख सकते हैं एक्टर विक्की कौशल और एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। दोनों ने हाल ही में क्रोएशिया में अपनी आने वाली फिल्म के एक रोमांटिक गाने की शूटिंग की है। इस गाने की शूटिंग की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं। इन सभी वायरल तस्वीरों में विक्की और तृप्ति के अलावा कोरियोग्राफर फराह खान को ही देखा जा सकता है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि विक्की ने तृप्ति को अपनी गोद में उठाया हुआ है। तो वहीं दूसरी में दोनों जमीन पर लेटे हुए हैं। दोनों के लुक की बात करें तो विक्की ने इस दौरन फॉर्मल जैकेट और पैंट पहनी है। तो वहीं तृप्ति येलो कलर के क्रॉप टॉप और स्कर्ट में बेहद हॉट दिख रहे हैं। दोनों समंदर किनारे गाने की शूटिंग कर रहे हैं। के साथ फोटो शेयर कर कटरीना कैफ को जलाया था। वहीं इस फिल्म में विक्की और तृप्ति के साथ पंजाबी एक्टर और सिंगर एमी विर्क भी हैं। हालांकि अभी तक इस फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

क्या कभी सुलझ पाएगी सुशांत सिंह के मौत की गुत्थी जानिए इस केस में शुरू से अंत तक क्या-क्या हुआ

नई दिल्ली। सुशांत सिंह राजपूत को ये दुनिया छोड़े आज दो साल हो गए। उनका परिवार और फैंस के लिए 14 जून का ये दिन किसी सदमे की तरह है। सुशांत सिंह का इस तरह जाना इंडस्ट्री में एक खालीपन छोड़ गया और साथ ही छोड़ गया ढेरों सवाल, जिनके जवाब की तलाश आज भी है। सवाल ये कि आखिर क्यों एक सफल एक्टर को यूं जाना पड़ा। कहा गया कि मौत से पहले सुशांत काफी परेशान थे, क्या था जो उन्हें इस कदर परेशान किए हुआ था। वो कौन था जिसने उन्हें इस हालत में पहुंचा दिया था। ऐसे हजारों सवालों के साथ आज सुशांत सिंह राजपूत की दूसरी बरसी पर फैंस की आंखें नम है एक्टर का परिवार शुरू से ये आरोप लगा रहा है कि उन्होंने आत्महत्या नहीं की उनकी हत्या हुई है। सोशल मीडिया से लेकर जंतर मंतर तक यहीं गूंज थी कि सुशांत के कातिलों का पता लगाओ। सरकार ने ये केस सीबीआई को सौंपा और फिर खुला कभी ना खत्म होने वाला ड्रग्स केस। तो आइए जानते हैं इस केस में कब-कब क्या-क्या हुआ 14 जून 2020 को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का शव उनके मुंबई स्थित फ्लैट में पंखे पर लटका हुआ मिला। उनके दोस्त ने पुलिस को सूचना दी और मौके पर पहुंची मुंबई पुलिस ने इसे सुसाइड केस बताया। हालांकि उस समय कई सवाल उठे, जिनका जवाब आज तक नहीं मिला है। सुशांत के पिता केके सिंह ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। इसके अलावा कई राजनीतिक हस्तियों ने भी साजिशन हत्या की बात कहकर केंद्र सरकार के दखल की गुजारिश की। 18 जून को रिया चक्रवर्ती ने मुंबई के बांद्रा थाने में अपना बयान दर्ज करा दिया था। रिया ने इसके पहले सुशांत से जुड़ी सभी सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दी थीं। इस केस में अब रिया चक्रवर्ती बुरी तरह फंस चुकी थीं। उन्होंने टीवी इंटरव्यू में अपना पक्ष रखना शुरू किया। 16 जुलाई को रिया ने भी सीबीआई जांच की मांग की और सुशांत सिंह राजपूत के परिवार पर कई गंभीर आरोप लगाए। ये सारा वितंडा अभी चल ही रहा था कि 29 जुलाई 2020 को सुशांत सिंह राजपूत के पिता केके सिंह ने पटना के राजीव नगर थाने में बेटे की कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती सहित छह लोगों के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने व पैसे के लेनदेन की एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद 29 जुलाई को पटना पुलिस की टीम जांच के लिए मुंबई गई। जिसके बाद पटना पुलिस ने मुंबई पुलिस पर जांच में असहयोग का आरोप लगाया। साजिशन हत्या की जांच के बीच एक सवाल यह उठा कि आखिर सुशांत के करोड़ों रुपए कहां गए इसका शक भी रिया चक्रवर्ती पर गया। मामला 30 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय तक पहुंचा। सुशांत की हत्या की जांच के लिए मुंबई गई बिहार पुलिस की टीम ने इसमें ईडी की मदद की। इसी दौरान कई वीडियो सामने आए जिसमें रिया और सुशांत के ड्रग्स लेने की बात भी मीडिया में आने लगी। 05 अगस्त 2020 को केंद्र सरकार ने भी सीबीआई जांच को स्वीकृति दे दी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।